हिन्दी साप्ताहिक

R.N.I. No. UPHINè2022è83621

जनता का सच

वर्ष 04 अंक 51 | लखनऊ शनिवार 27 दिसम्बर 2025 | पृष्ठ 04 मूल्य 2 रूपया

एच–1बी वीजा में देरी और रद्दीकरण पर भारत ने जताई चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेशों में रह रहे भारतीय नागरिकों से जुड़े मामलों को लेकर भारत सरकार ने एक बार फिर साफ किया है कि वह अपने नागरिकों के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। वीजा परेशानियों, सुरक्षा से जुड़े मामलों, भगोड़े अपराधियों की वापसी और विदेशों में भारतीय छात्रों की मौत जैसे मुद्दों पर विदेश मंत्रालय ने अपनी स्थिति स्पष्ट की है।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि सरकार को एच1बी वीजा नियुक्ति के बार-बार पुनर्निर्धारित होने को लेकर कई शिकायतें मिली हैं। इस कारण बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक लंबे समय से विदेशों में फंसे हैं, जिससे उनके परिवार और बच्चों की पढ़ाई पर गंभीर असर पड़ा है।प्रवक्ता ने बताया कि वीजा से जुड़े मुद्दे किसी भी देश के संप्रभु अधिकार क्षेत्र में आते हैं, लेकिन भारत ने अपनी चिंताएं अमेरिका के सामने नई दिल्ली और वॉशिंगटन डीसी, दोनों जगह उठाई हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ लगातार बातचीत की जा रही है ताकि भारतीय नागरिकों को हो रही दिक्कतों को कम किया जा सके। भारत ने अमेरिका में काम करने वाले हजारों भारतीय पेशेवरों से जुड़े एच-1बी वीजा मामले पर गंभीर चिंता जताई है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि बड़ी संख्या में भारतीय आवेदकों के पहले से तय एच-1बी वीजा साक्षात्कार अचानक रद्द या आगे खिसका दिए गए हैं, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि सरकार को कई भारतीय नागरिकों से शिकायतें मिली हैं। इन शिकायतों में कहा गया है कि वीजा साक्षात्कार पुनर्निर्धारित होने के कारण वे लंबे समय से

भारत में फंसे हुए हैं और अमेरिका लौटकर अपनी नौकरी जॉइन नहीं कर पा रहे हैं। मंत्रालय के अनुसार, दिसंबर के मध्य से जिन एच-1बी वीजा आवेदकों के साक्षात्कार तय थे, उन्हें अचानक कई महीनों के लिए टाल दिया गया है। कुछ आवेदकों को ई-मेल के जरिए बताया गया कि उनके साक्षात्कार अब अगले साल मई तक के लिए बढ़ा दिए गए हैं। बताया जा रहा है कि यह फैसला सोशल मीडिया प्रोफाइल और ऑनलाइन गतिविधियों की अतिरिक्त जांच के चलते लिया गया है।साथ ही ये भी स्पष्ट किया कि वीजा से जुड़े फैसले किसी भी देश के संप्रभु अधिकार क्षेत्र में आते हैं। लेकिन भारत ने इस मुद्दे को अमेरिका के सामने नई दिल्ली और वॉशिंगटन डीसी, दोनों जगह उठाया है। उन्होंने कहा कि इस देरी से भारतीय नागरिकों और उनके परिवारों को आर्थिक, पारिवारिक और शैक्षणिक स्तर पर गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।रणधीर जायसवाल ने ऑस्ट्रेलिया के बॉन्डी बीच में हुई आतंकी घटना पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि भारत इस हमले से जुड़े जिम्मेदार लोगों की गतिविधियों से अवगत है और इस मामले में संबंधित विदेशी एजेंसियों के संपर्क में है।विदेश मंत्रालय ने दोहराया कि भारत उन सभी लोगों को वापस लाने के लिए प्रतिबद्ध है, जो देश में कानून से बचकर विदेशों में छिपे हुए हैं। इसके लिए कई देशों से बातचीत चल रही है। प्रवक्ता ने कहा कि प्रत्यर्पण की प्रक्रिया में कई कानूनी स्तर होते हैं, लेकिन सरकार की मंशा साफ है कि ऐसे लोग भारत लौटें और अदालतों में मुकदमे का सामना करें।कनाडा में एक भारतीय छात्र की मौत पर विदेश मंत्रालय ने गहरा दुख जताया। रणधीर जायसवाल ने बताया कि सरकार मृतक छात्र के परिवार के संपर्क में है और स्थानीय अधिकारियों से मौत की परिस्थितियों को लेकर जानकारी ली जा रही है। भारत का दूतावास परिवार को हर संभव सहायता प्रदान कर रहा है। साथ ही विदेश मंत्रालय ने साफ किया कि चाहे मामला वीजा का हो, सुरक्षा का हो या न्याय का, भारत सरकार अपने नागरिकों के हितों को सर्वोपरि मानते हुए हर जरूरी कदम उठाती रहेगी।

2026 में खुलेंगे ये सुपर एक्सप्रेसवेः गडकरी

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश के राष्ट्रीय राजमार्गों पर निर्बाध, बाधारहित टोलिंग को लागू करना और एक नया सड़क सुरक्षा विधेयक पारित कराना 2026 में सड़क परिवहन मंत्रालय की शीर्ष प्राथमिकताएं होंगी। मंत्रालय सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करने पर खासतौर से जोर दे रहा है। इस समय सड़क दुर्घटनाओं में हर साल लगभग 1.8 लाख लोगों की जान जाती है। सड़क परिवहन मंत्रालय ने अगले साल उद्घाटन के लिए राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे की एक प्रभावशाली सूची तैयार की है। इनमें लंबे समय से लंबित 1,362 किलोमीटर लंबा दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे (नवंबर 2026 तक पूरा होगा), अमृतसर-जामनगर राजमार्ग (दिसंबर 2026 तक), बेंगलुरु-चेन्नई एक्सप्रेसवे (जून 2026 तक), अहमदाबाद-धोलेरा एक्सप्रेसवे (मार्च 2026 तक), इंदौर-हैदराबाद राजमार्ग (मई 2026 तक) और दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे (जनवरी 2026 तक) शामिल हैं। सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने एक साक्षात्कार में कहा, हम देशभर के राष्ट्रीय राजमार्गों पर निर्बाध, बाधारहित टोलिंग प्रणालियां स्थापित करने की योजना बना रहे हैं। शुरुआती तौर पर इसके लिए हमने 10 निविदाएं निकाली हैं। टोल संग्रह की लागत वर्तमान में कुल टोल संग्रह के लगभग 15 प्रतिशत से घटकर तीन प्रतिशत तक आ जाएगी। उन्होंने कहा कि अगर सालाना 50:60 हजार करोड़ रुपये का टोल संग्रह होता है, तो साल में लगभग 8,000 करोड़ रुपये तक की बचत हो सकती है। इससे खामियां भी दूर होंगी और टोल प्लाजा पर प्रतीक्षा समय भी घटेगा। यह नई प्रणाली एकीकृत प्रौद्योगिकियों के उपयोग से बाधारहित टोलिंग को बढ़ावा देती है, जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित विश्लेषण के साथ स्वचालित नंबर प्लेट पहचान और आरएफआईडी आधारित इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह प्रणाली फास्टैग शामिल है। सड़क सुरक्षा के बारे में गडकरी ने कहा कि मंत्रालय एक नया सड़क सुरक्षा विधेयक तैयार करेगा, जिसे संसद के अगले सत्र में पेश किया जाएगा। उन्होंने कहा, हम लगातार सड़क सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इसमें कई समस्याएं हैं। हम फिर से प्रयास करेंगे और एक नया सड़क सुरक्षा विधेयक लाएंगे, और हमारा प्रयास रहेगा कि इसे अगले ही सत्र में संसद के समक्ष रखा जाए। गडकरी ने यह भी कहा कि 13 किलोमीटर लंबी जोजिला सुरंग परियोजना, जो एशिया की सबसे लंबी सुरंग बनने जा रही है, का उद्घाटन भी अगले वर्ष अप्रैल में किया जाएगा। जोजिला सुरंग परियोजना श्रीनगर और लेह के बीच हर मौसम में संपर्क उपलब्ध कराने के लिए एक महत्वपूर्ण कड़ी है।

धर्म की रक्षा के लिए सिख गुरुओं का बलिदान सर्वोच्चः योगी

लखनऊ, संवाददाता। सिख गुरु गोबिन्द सिंह के साहिबजादों के बलिदान दिवस को वीर बाल दिवस के रूप में मुख्यमंत्री आवास पर मनाया गया। शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास पर कीर्तन समागम का आयोजन हुआ। इस अवसर पर सिख गुरुओं के साथ गुरु गोबिन्द सिंह के साहिबजादों बाबा अजित सिंह, बाबा जुझार सिंह, बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह को नमन किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हमे अपनी गति को प्रगति की ओर लेकर जाना है, दुर्गति की ओर लेकर नहीं जाना है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि सिख गुरुओं का इतिहास भारत के अंदर भक्ति और शक्ति का एक अदभुत तेज का इतिहास है। उन्होंने जो उस समय मानवता को लेकर कार्य किये, पाखंड के खिलाफ आवाज उठाई थी। तब साधन नही थे, लेकिन साधन के अभाव में साधना से सिद्धि का प्रभाव दिखाया था। धर्म रक्षा के लिए उनका सर्वोच्च बलिदान है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आज का यह वीर बाल दिवस का कार्यक्रम ऐसे ही गुरु परम्परा के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का अवसर है। गुरु गोबिन्द साहब के 550वें प्रकाश पर्व के अवसर पर यहीं पर हम सबने तय किया था कि वीर बाल दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया जाए। योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश के सिखों की आवाज को सुना। उनके योगदान के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने के लिए वीर बाल दिवस को राष्ट्रीय समारोह के रूप में शुरू किया। बाबा अजीत सिंह, बाबा जुझार सिंह, बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह के इतिहास पर चर्चा कर नयी पीढ़ी को प्रेरणा देने का कार्य किया है। उन्होंने उस समय पाखंड के खिलाफ आवाज उठाई, मानवता के लिए कार्य किया। देश और दुनिया में प्रचार किया। उस समय प्रचार के माध्यम नहीं थे। वे सब जगह पहुंचे। उन्होंने समाज, स्वदेश और स्वधर्म के लिए कार्य करना चुना। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जिस दुष्ट औरंगजेब ने गुरुतेगबहादुर जी को चुनौती दी थी। उसने उन्हें सामान्य मनुष्य समझा था। यह उसकी भूल थी। याद कीजिए आज 140 करोड़ का हिन्दुस्तान और दुनियाभर में जहां भी सनातनी और सिख रह रहे हैं, गुरुतेग बहादुर के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित कर रहे हैं। दुष्ट औरंगजेब को याद करने वाला कोई नहीं बचा है। आज भारत के हर क्षेत्र में यह कार्यक्रम हो रहा है। हमारे यहां तो स्कूलों में प्रतियोगिता हो रही है। वीर बाल दिवस पर निबंध लेखन प्रतियोगिता की जा रही है। आरएसएस के अभियान में भी वीरबाल दिवस के कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। यह इसलिए क्यों कि हम गुरुओं के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित कर सकें। उन गुरुओं का त्याग और बलिदान अपने परिवार के लिए, अपने लिए नहीं था। हम सबके लए था। दुष्ट औरंगजेब को कोई पूछने वाला नहीं है। वह कब मरा। उसका मकबरा कहां है। उसका जन्म कब हुआ। एक दिया जलाने वाला कोई नहीं है। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख, असीम अरुण, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक कौशल, एमएलसी महेन्द्र सिंह, पवन सिंह चौहान, सरदार गुरुविंदर सिंह छाबड़ा, मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री एवं गृह संजय प्रसाद

केरल में पहली बार भाजपा का मेयर बना

नयी दिल्ली। केरल में पहली बार भाजपा का मेयर चुना गया है। तिरुवनंतपुरम नगर निगम में शुक्रवार को हुए मेयर चुनाव में भाजपा के वीवी राजेश को 51 वोट मिले। जिसमें एक निर्दलीय पार्षद का समर्थन भी शामिल था। वाम लोकतांत्रिक मोर्चा के पी शिवाजी को 29 वोट, जबकि कांग्रेस गठबंधन (ष्ठस्न) उम्मीदवार केएस सबरिनाथन को 19 वोट मिले। जिनमें से दो को बाद में अमान्य घोषित कर दिया गया। दरअसल 9 दिसंबर को तिरुवनंतपुरम नगर निगम के 101 वार्डों का रिजल्ट आया था। 50 वार्डों पर भाजपा जीती थी। पिछले 45 साल से यहां वाम लोकतांत्रिक मोर्चा का कब्जा था। रुठस्न ने 29 और कांग्रेस गठबंधन ने 19 वार्ड जीते थे। तिरुवनंतपुरम कांग्रेस सांसद शशि थरूर का गढ़ है। केरल के 1,199 स्थानीय निकायों के लिए दो फेज 9 और 11 दिसंबर को वोटिंग हुई थी।

तरुपति में हुए भारतीय विज्ञान सम्मेलन को डॉ भागवत ने किया संबोधित

धर्म और विज्ञान दोनों की मंजिल एक : भागवत

तिरुपति, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत ने कहा कि भारत का आगे बढ़ना तय है, लेकिन हमें सिर्फ सुपरपावर ही नहीं, बल्कि विश्वगुरु भी बनना चाहिए। धर्म और विज्ञान में कोई टकराव नहीं है। बस उनके रास्ते अलग हैं, मंजिल एक ही है। सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत आंध्र प्रदेश के तिरुपति में शुक्रवार को आयोजित भारतीय विज्ञान सम्मेलन के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। डॉ भागवत ने कहा कि हर किसी को अपना फ़र्ज़ खुद तय करके आगे बढ़ना चाहिए। स्वामी विवेकानंद जैसे लोगों ने सिखाया कि अगर आप सही रास्ते पर चलें तो कुछ भी मुमकिन है। अगर रास्ता सही है, तो आप मंज़लि तक ज़रूर पहुंच सकते हैं। डॉ भागवत ने कहा कि धर्म और विज्ञान में कोई टकराव नहीं है। बस उनके रास्ते अलग हैं, मंजिल एक ही है। हमारे

विकास की सोच का आधार धर्म है। धर्म सिर्फ मजहब नहीं है, बल्कि यह प्रकृति और ब्रह्मांड के चलने का तरीका है। सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत एक दशक से स्टार्टअप्स में अपनी जगह बना रहा है। हम स्पेस इकॉनमी में 8वें नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने बताया कि आईटी और टेलीकॉम सेक्टर में इन्वेस्टमेंट को आसान बनाया गया है। उन्होंने इंडियन साइंस फोरम में बात की। हम ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में 81वें नंबर से 38वें नंबर पर पहुंच गए हैं। भारत ने चांद पर एक्सपेरिमेंट में बड़ी कामयाबी हासिल की है। अब दुनिया में हमारी ब्रह्मोस मिसाइलों की बहुत डिमांड है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत वह देश है जिसने दुनिया में सबसे ज़्यादा कोविड वैक्सीन निर्यात की है। मोदी के कार्यकाल में साइंस और टेक्नोलॉजी सेक्टर का बजट बढ़ा है। हम स्पेस सेक्टर में प्राइवेट इन्वेस्टमेंट को भी बढ़ावा दे रहे हैं। जितेंद्र सिंह ने कहा कि हम ज़रूरी मिनरल्स के मामले में भी प्राइवेट कंपनियों को इजाज़त दे रहे हैं। आरएसएस के सरसंघचाल डॉ मोहन भागवत ने शुक्रवार को आंध्र प्रदेश के तिरुपति में भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन किए। यहां तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के अधिकारियों और मंदिर के पुजारियों ने उनका स्वागत किया। दर्शन के बाद मंदिर के पुजारियों ने रंगनायका मंडपम में डॉ मोहन भागवत को रेशमी वस्त्र भेंट कर उन्हें सम्मानित किया और भगवान का प्रसाद प्रदान दिया। डॉ भागवत गुरुवार शाम को ही श्रीवारी के दर्शन के लिए तिरुमाला पहुंच गए थे। यहां गायत्री अतिथि गृह में मंदिर की प्रबंधन के अध्यक्ष बीआर नायडू और कार्यकारी अधिकारी वेंकैया चौधरी ने उनका स्वागत किया।

यूपी में एसआईआर से 2.89 करोड़ वोटर्स के नाम कटे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। यूपी में एसआईआर यानी वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण का काम पूरा हो गया। प्रदेश में 2.89 करोड़ वोटर्स के नाम कट गए हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया- स्ढ्ढक्रहोने से पहले यूपी में कुल 15 करोड़ 44 लाख मतदाता थे। 26 दिसंबर को पहले चरण के तहत गणना पत्र जमा करने और डिजिटलाइजेशन का काम पूरा हुआ है। अब तक 2.89 करोड़ मतदाता कम हुए हैं। फाइनल आंकड़े और ड्राफ्ट लिस्ट 31 दिसंबर को जारी की जाएगी। सूत्रों के अनुसार 1.26 करोड़ वोटर्स ऐसे हैं, जो यूपी से बाहर परमानेंट शिफ्ट हो चुके हैं। 45.95 लाख वोटर्स की मौत हो चुकी है। 23.32 लाख डुप्लीकेट हैं। 84.20 लाख लापता हैं और 9.37 लाख ने फॉर्म जमा नहीं किया है। यूपी में 15 दिन की समय अवधि बढ़ने से करीब दो लाख मतदाता बढ़े हैं। इससे पहले 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की SIR ड्राफ्ट वोटर लिस्ट आ चुकी है। इनमें

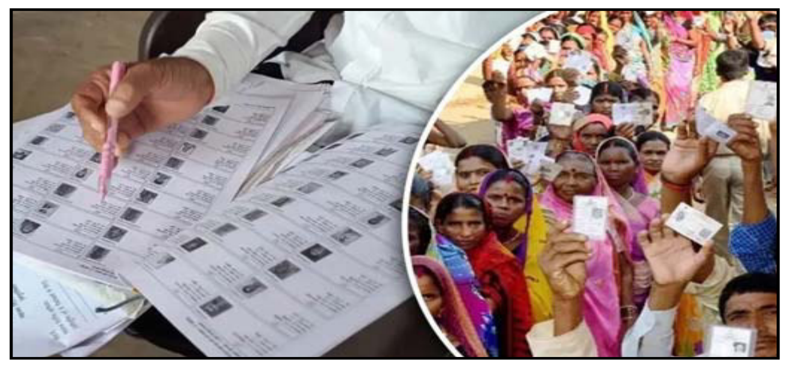

3.69 करोड़ वोटर्स के नाम हटे हैं। इनमें एमपी में 42.74 लाख, छत्तीसगढ़ में 27.34 लाख, केरल में 24.08 लाख, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 3.10 लाख वोटर्स, पश्चिम बंगाल में 58.20 लाख, राजस्थान में 41.85 लाख, गोवा में 11.85 लाख, पुडुचेरी में 1.03 लाख, लक्षद्वीप में 1,616, तमिलनाडु में 97 लाख, गुजरात में 73 लाख वोटर्स के नाम कटे हैं। यूपी में निर्वाचन आयोग ने SIR का टाइम बढ़ाने की मांग दिल्ली चुनाव आयोग से की थी। भाजपा भी SIR के लिए और वक्त चाहती थी। हालांकि, आयोग ने तीसरी बार SIR की अंतिम डेट नहीं बढ़ाई।

जेन जी, जेन अल्फा ही भारत को 'विकसित भारत' के लक्ष्य तक ले जाने वाली पीढ़ी है : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को वीर बाल दिवस के अवसर कहा कि जेन जी यानी 1997 से 2012 के बीच जन्मी डिजिटल-सक्षम युवा पीढ़ी और जेन अल्फा यानी 2013 के बाद जन्मे तकनीक-केंद्रित बच्चे ही भारत को विकसित भारत के लक्ष्य तक पहुंचाएंगे। प्रधानमंत्री ने यहां भारत मंडपम में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जेन जी और जेन अल्फा ही भारत को 'विकसित भारत' के लक्ष्य तक ले जाने वाली पीढ़ी है। उन्होंने कहा कि वे युवाओं की क्षमता, आत्मविश्वास और सामर्थ्य को समझते हैं और इसलिए उन पर उन्हें पूरा भरोसा है। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि उम्र नहीं, कर्म और उपलब्धियां व्यक्ति को बड़ा बनाती हैं, और कम उम्र में भी ऐसे कार्य किए जा सकते हैं जो पूरे समाज को प्रेरणा दें। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने वीर साहिबजादों के अदम्य साहस और बलिदान को याद करते हुए कहा कि साहिबजादों ने यह नहीं देखा कि रास्ता कितना कठिन है, उन्होंने केवल यह देखा कि रास्ता सही है या नहीं। यही भावना आज भारत के युवाओं से अपेक्षित है–बड़े सपने देखना, कठिन परिश्रम करना और आत्मविश्वास को कभी डगमगाने न देना। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का भविष्य तभी उज्ज्वल होगा, जब उसके बच्चों और युवाओं का भविष्य उज्ज्वल होगा। उनका साहस, प्रतिभा और समर्पण ही देश की प्रगति का मार्गदर्शन करेगा। आज देशभर में लाखों बच्चे अटल टिंकरिंग लैब्स के माध्यम से नवाचार, शोध, रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सस्टेनेबिलिटी और डिजाइन थिंकिंग से जुड़ रहे हैं। इसके साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति में

क्रिकेटर वैभव समेत 20 बच्चों को बाल पुरस्कार

मातृभाषा में शिक्षा का विकल्प बच्चों के लिए सीखने को और सहज बना रहा है। प्रधानमंत्री ने गुलामी की मानसिकता पर प्रहार करते हुए कहा कि साहिबजादों की गाथा देश के हर नागरिक की जुबान पर होनी चाहिए थी लेकिन दुर्भाग्यवश आज़ादी के बाद भी देश इस मानसिकता से पूरी तरह मुक्त नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि 1835 में मैकाले द्वारा बोए गए गुलामी के विचारों के बीजों ने भारत की अनेक सच्चाइयों को दबा दिया। अब देश ने तय कर लिया है कि इस मानसिकता से मुक्ति पानी ही होगी। उन्होंने कहा कि 2035 तक, जब मैकाले की इस सोच को 200 साल पूरे होंगे, तब तक हमें पूरी तरह गुलामी की मानसिकता से मुक्त होना है– यह 140 करोड़ भारतीयों का साझा संकल्प होना चाहिए। मोदी ने हालिया शीतकालीन सत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि संसद में हिंदी और अंग्रेजी के अलावा भारतीय भाषाओं में लगभग 160 भाषण दिए गए, जिनमें तमिल, मराठी और बंगाली प्रमुख रहीं। उन्होंने कहा कि यह दृश्य दुनिया की किसी भी संसद में दुर्लभ है और यह भारत की भाषाई विविधता की ताकत को दर्शाता है। मैकाले ने जिस विविधता को दबाने की कोशिश की थी, वही आज भारत की शक्ति बन रही है। वीर साहिबजादों के बलिदान का स्मरण करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि औरंगजेब की क्रूर सत्ता के सामने भी चारों साहिबजादे अडिग रहे। यह संघर्ष भारत के मूल्यों और मजहबी कट्टरता के बीच, सत्य और असत्य के बीच था। गुरु गोबिंद सिंह जी त्याग और तपस्या के साक्षात प्रतीक थे और वही विरासत साहिबजादों को मिली थी। इसलिए पूरी मुगलिया ताकत भी उनके साहस को नहीं डिगा सकी। प्रधानमंत्री ने कहा कि वीर बाल दिवस भावना और श्रद्धा से भरा दिन है। पिछले चार वर्षों में वीर बाल दिवस की परंपरा ने नई पीढ़ी तक साहिबजादों की प्रेरणा पहुंचाई है और बच्चों को राष्ट्रसेवा के लिए मंच दिया है। हर वर्ष विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है; इस वर्ष भी देश के अलग-अलग हिस्सों से 20 बच्चों को यह सम्मान दिया गया। प्रधानमंत्री ने युवाओं को संदेश दिया कि वे शॉर्ट-टर्म लोकप्रियता की चमक-दमक में न फंसे, महान व्यक्तित्वों से प्रेरणा लें और अपनी सफलता को केवल व्यक्तिगत न मानें। उनका लक्ष्य होना चाहिए कि उनकी सफलता देश की सफलता बने। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, खेलो इंडिया जैसे अभियानों ने युवाओं को मंच दिया है। अब आवश्यकता है फोकस, परिश्रम और राष्ट्र के प्रति समर्पण की–ताकि भारत आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ सके।

बांग्लादेश : सत्ता-संघर्ष, कट्टरपंथ और लोकतंत्र की अनिश्चित राह

-ललित गर्ग-

बांग्लादेश एक बार फिर इतिहास के ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहाँ लोकतंत्र, सत्ता और कट्टरपंथ के बीच की रेखाएँ धुंधली होती जा रही हैं। 17 वर्षों के स्वनिर्वासन के बाद बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के पुत्र और बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान की स्वदेश वापसी केवल एक राजनीतिक घटना नहीं, बल्कि उस अस्थिरता का प्रतीक है, जो शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद देश की राजनीति में लगातार गहराती चली गई है। यह वापसी ऐसे समय में हुई है जब अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस स्वयं कई मोर्चों पर घिरते नजर आ रहे हैं और जिन ताकतों को उन्होंने व्यवस्था परिवर्तन की उम्मीद में अप्रत्यक्ष या प्रत्यक्ष रूप से स्थान दिया, वही आज शांति, सौहार्द और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए गंभीर चुनौती बन चुकी हैं। शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के पतन के बाद जिस छात्र आंदोलन को 'जुलाई क्रांति' के रूप में प्रस्तुत किया गया था, उससे देश में यह उम्मीद जगी थी कि एक नई, पारदर्शी और समावेशी व्यवस्था की नींव रखी जाएगी। इसी उम्मीद के साथ छात्र नेताओं और नागरिक समाज के एक बड़े वर्ग ने मोहम्मद यूनुस को अंतरिम सरकार की कमान सौंपी। लेकिन कुछ ही महीनों में यह भ्रम टूटने लगा कि यह संघर्ष व्यवस्था परिवर्तन का है। चुनाव को लेकर बढ़ती खींचतान, स्पष्ट रोडमैप का अभाव और सत्ता के इर्द-गिर्द सिमटती निर्णय प्रक्रिया ने यह संकेत दे दिया कि अब लड़ाई लोकतंत्र को मजबूत करने की नहीं, बल्कि सत्ता पर कब्जे की है। इस संदर्भ में कट्टरपंथी विचारधारा से जुड़े युवा नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या ने स्थिति को और विस्फोटक बना दिया है। हादी जुलाई आंदोलन से उभरे उन चेहरों में थे, जिनका प्रभाव तेजी से बढ़ रहा था। उनकी हत्या के बाद उनके भाई द्वारा लगाए गए आरोप कि यह हत्या अंतरिम सरकार से जुड़े तत्वों की साजिश है ताकि चुनाव टाले जा सकें, मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार की नैतिकता और निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाते हैं। यदि यह आरोप सही हैं, तो इसका अर्थ यह होगा कि सत्ता में शामिल कुछ शक्तियां जानबूझकर देश को अस्थिरता एवं घोर अशांति की ओर धकेल रही हैं, ताकि चुनावी प्रक्रिया को अपने अनुकूल मोड़ा जा सके। कट्टरपंथी संगठनों की भूमिका इस पूरे परिदृश्य में सबसे चिंताजनक है। जमात-ए-इस्लामी जैसी ताकतों का अंतरिम सरकार पर बढ़ता दबाव, सड़कों पर बढ़ती हिंसा और अल्पसंख्यकों को निशाना बनाए जाने की घटनाएं यह दर्शाती हैं कि कानून-व्यवस्था तेजी से कमजोर हुई है। विडंबना यह है कि जिन कट्टरपंथी तत्वों को शेख हसीना सरकार के विरोध में

'लोकतांत्रिक सहयोगी' के रूप में देखा गया, वही आज बांग्लादेश की सामाजिक संरचना को भीतर से खोखला कर रहे हैं। यह वही ऐतिहासिक भूल है, जो दक्षिण एशिया के कई देशों में पहले भी की जा चुकी है-जहां अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिए कट्टरपंथ को जगह दी गई और परिणाम दीर्घकालिक अस्थिरता के रूप में सामने आया। तारिक रहमान की वापसी को इसी पृष्ठभूमि में देखा जाना चाहिए। ब्रिटेन में 17 वर्षों से अधिक समय बिताने के बाद उनका लौटना केवल व्यक्तिगत निर्वासन की समाप्ति नहीं है, बल्कि बांग्लादेश की राजनीति में एक नए शक्ति-संतुलन का संकेत है। यह तथ्य भी अनदेखा नहीं किया जा सकता कि जिन मुकदमों के कारण वे देश से बाहर थे, उनमें अंतरिम सरकार के दौरान राहत मिली और उनकी वापसी का रास्ता साफ हुआ। जिस दिन तारिक रहमान ढाका लौटे, उसी दिन यह संकेत भी सामने आया कि शेख हसीना की अवामी लीग को आगामी चुनावों से बाहर रखा जा सकता है। यह संयोग कम और रणनीति अधिक प्रतीत होता है। बीएनपी इस समय चुनावी गणित के लिहाज से सबसे मजबूत स्थिति में है और तारिक रहमान को देश का अगला प्रधानमंत्री माने जाने की चर्चा तेज है। लेकिन बड़ा प्रश्न यह है कि क्या अवामी लीग के बिना होने वाला चुनाव बांग्लादेश की जनता की वास्तविक इच्छा को प्रतिबिंबित कर पाएगा? लोकतंत्र केवल सत्ता परिवर्तन का नाम नहीं, बल्कि सभी प्रमुख राजनीतिक धाराओं को समान अवसर देने की प्रक्रिया है। यदि किसी एक बड़े दल को सुनियोजित ढंग से बाहर रखा जाता है, तो चुनाव की वैधता पर संदेह स्वाभाविक है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मोहम्मद यूनुस की सरकार पर दबाव बढ़ रहा है। अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमले और कानून-व्यवस्था की बदहाली को लेकर मानवाधिकार संगठनों की चिंताएं लगातार सामने आ रही हैं। इसके बावजूद यह आश्चर्यजनक है कि भारत जैसे पड़ोसी देश से, जहाँ बांग्लादेश के घटनाक्रम का सीधा प्रभाव पड़ता है, अपेक्षित स्तर की कूटनीतिक और नैतिक प्रतिक्रिया देखने को नहीं मिली। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा खालिदा जिया के स्वास्थ्य पर चिंता जताते हुए भारत की ओर से सहयोग की पेशकश करना एक सकारात्मक संकेत है, और बीएनपी द्वारा उसका स्वीकार किया जाना दोनों देशों के बीच नए समीकरणों की ओर इशारा करता है। लेकिन यह भी सच है कि यह निकटता स्वार्थों की राजनीति से पूरी तरह मुक्त नहीं है। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर लगातार हो रहे हमले अब केवल आंतरिक कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं रह गए हैं, बल्कि यह भारत की सुरक्षा, कूटनीतिक जिम्मेदारी और नैतिक सरोकार से सीधे जुड़ा गंभीर विषय बन चुका है। हाल ही में अमृत मंडल नामक एक हिंदू नागरिक की पीट-पीटकर हत्या की घटना इस बात का प्रमाण है कि अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने की प्रवृत्ति थमने के बजाय और अधिक निर्भीक होती जा रही है। धार्मिक पहचान के आधार पर हिंसा, मंदिरों पर हमले, जबरन पलायन और भय का वातावरण बांग्लादेश की लोकतांत्रिक साख को गहरा आघात पहुँचा रहे हैं। भारत सरकार के लिए अब यह अनदेखा करने का विषय नहीं रह गया है; आवश्यकता है कि वह कूटनीतिक स्तर पर सख्त संदेश दे, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस मुद्दे को उठाए और यह स्पष्ट करे कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की अनिवार्य शर्त है। आगामी चुनावों के संदर्भ में इस तरह की सांप्रदायिक हिंसा को एक केंद्रीय मुद्दा बनाया जाना चाहिए, क्योंकि भय और असुरक्षा के वातावरण में निष्पक्ष चुनाव की कल्पना ही बेमानी है। बांग्लादेश में यदि वास्तव में लोकतंत्र की बहाली का दावा किया जा रहा है, तो वहां ऐसी सरकार का गठन आवश्यक है जो अल्पसंख्यकों के अधिकारों और सम्मान की गारंटी दे सके। हिंदुओं सहित सभी धार्मिक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित किए बिना न तो राजनीतिक स्थिरता संभव है और न ही क्षेत्रीय शांति। भारत की भूमिका इस संदर्भ में केवल पड़ोसी देश की नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार क्षेत्रीय शक्ति की है, जिसे मानवाधिकार और लोकतांत्रिक मूल्यों के संरक्षण के लिए आवश्यक कठोर कदम उठाने से पीछे नहीं हटना होगा। बांग्लादेश आज जिस मुसीबत के भंवर में फँसा है, उसके पीछे आंतरिक कारकों के साथ-साथ बाहरी प्रभावों की भूमिका से भी इनकार नहीं किया जा सकता। पाकिस्तान की ऐतिहासिक भूमिका और कट्टरपंथी नेटवर्कों के साथ उसके संबंधों को देखते हुए यह आशंका निराधार नहीं कि बांग्लादेश की अस्थिरता में परोक्ष योगदान बाहरी शक्तियों का भी हो सकता है। ऐसे में मोहम्मद यूनुस की यह जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि वे अंतरिम सरकार को निष्पक्ष, पारदर्शी और लोकतांत्रिक दिशा में ले जाएँ। लेकिन अब तक के घटनाक्रम यह संकेत देते हैं कि वे हालात को संभालने में पूरी तरह सफल नही हो पाए हैं। फिर भी, इस निराशाजनक परिदृश्य के बीच तारिक रहमान के बयानों और राजनीतिक स्वरों में कुछ लोग समाधान की झलक देखते हैं। यह उम्मीद इस विश्वास पर टिकी है कि बीएनपी, चाहे उसका अतीत विवादास्पद रहा हो, सत्ता में आकर कट्टरपंथी दबावों को संतुलित कर सकेगी और लोकतांत्रिक संस्थाओं को पुनर्स्थापित करने का प्रयास करेगी। किंतु यह भी एक कड़वा सत्य है कि कट्टरपंथी ताकतों से लोकतंत्र बहाल होने की उम्मीद अपने आप में एक विरोधाभास है। अंततः बांग्लादेश के सामने सबसे बड़ा प्रश्न यही है-क्या वह एक समावेशी, बहुदलीय और संवैधानिक लोकतंत्र की राह चुनेगा या फिर सत्ता-संघर्ष और कट्टरपंथ की दलदल में और गहराता जाएगा? इसका उत्तर केवल किसी एक नेता या दल के हाथ में नहीं, बल्कि उस राजनीतिक विवेक में है, जो आने वाले महीनों में देश की दिशा तय करेगा। यदि निष्पक्ष चुनाव, कानून का राज और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की गई, तो तारिक रहमान की वापसी भी इतिहास में एक और चूके हुए अवसर के रूप में दर्ज हो सकती है।

संम्पादकीय

सरसों का संकट

एक समय था जब पंजाब के ग्रामीण अंचलों में खिले हुए सरसों के खेत मौसमी बयार में बदलाव के प्रतीक हुआ करते थे। तमाम सांस्कृतिक प्रतिमानों में पीले सरसों के खेतों को मौसम के गौरव के रूप में चित्रित किया जाता रहा है। लेकिन वक्त की विडंबना है कि यह अब यह सुनहरी फसल सिमटती नजर आ रही है। जिसके परिणाम स्वरूप आज देश में हम खाद्य तेलों की पर्याप्त आपूर्ति नहीं कर पा रहे हैं। यही वजह है कि भारत लगातार आयातित खाद्य तेलों पर अत्यधिक निर्भर होता जा रहा है। निश्चय ही यह स्थिति व्यवस्था के कई विरोधाभासों को भी उजागर कर रही है। यह तथ्य चौंकाता है कि पंजाब में सरसों के उत्पादन में इसलिए गिरावट नहीं आ रही है कि फसल उत्पादन क्षमता में किसी तरह की कोई कमी आई है। बल्कि यह स्थिति इसलिए है कि सरकारों की नीतियां प्रोत्साहन देने वाली साबित नहीं हो रही हैं। वहीं बाजार के रुझान इसे आर्थिक रूप से किसानों के हितों के प्रतिकूल बना रहे हैं। कहने को तो अकसर दलील दी जाती है कि पंजाब के किसानी से जुड़े संकटों का समाधान फसलों के विविधीकरण में निहित है। लेकिन विडंबना यह है कि विविधीकरण के दावों के बावजूद, सरसों के उत्पादक किसान प्रोत्साहन न मिल पाने से निराश हैं। दरअसल, किसान कम और अनिश्चित मुनाफे के चलते सरसों की फसल उगाने से गुरेज करता है। उसके सामने बड़ी चुनौती यह भी है कि सरसों की फसल की सरकारी खरीद सीमित मात्रा में होती है। जिसके चलते किसानों को खून-पसीने की उपज को बेचने के लिये व्यापारियों के रहमोकरम पर निर्भर रहना पड़ता है। वे अपने मोटे मुनाफे के लिये किसान के हितों की अनदेखी करने से नहीं चूकते। यही वजह है कि गेहूं और धान के विपरीत, जिनकी खरीद सुनिश्चित है और उनके लिये मजबूत विपणन प्रणाली मौजूद है, सरसों की फसल किसानों को बाजार की अस्थिरता के प्रति संवेदनशील बना देती है। फलतः किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। दरअसल, इस संकट का दूसरा पहलू यह भी है कि पंजाब आज अपनी खाद्य तेल आवश्यकताओं का एक मामूली हिस्सा ही स्थानीय उत्पादन से पूरा करता है। इससे हमारी महंगे आयात पर निर्भरता और भी बढ़ जाती है। तिलहन की खेती को बढ़ावा देना अक्सर राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। सही मायनों में सरकारी तंत्र द्वारा सरसों की उपज की खरीद में सहायता और न्यायसंगत मूल्य दिलाने के वायदे खोखले साबित होने के कारण सरसों की पैदावार का रकबा बढ़ता नहीं है। जिस दिन किसानों को तंत्र की नीतियों पर भरोसा पैदा हो जाएगा, उस दिन निश्चय ही किसान प्रोत्साहन के चलते तर्कसंगत प्रतिक्रिया देंगे। निर्विवाद रूप से पंजाब की धरती में सरसों उत्पादन की स्थितियों से जुड़ी संभावनाएं पर्याप्त हैं। यकीनी तौर पर यह धान की तुलना में कम पानी की खपत करती है। साथ ही भूजल संकट को कम करने के उद्देश्य से फसल विविधीकरण से जुड़ी रणनीतियों में स्वाभाविक रूप से फिट बैठती है। लेकिन हमें इस हकीकत को स्वीकार करना चाहिए कि पंजाब में विविधीकरण के लक्ष्य केवल नैतिक प्रोत्साहन से हासिल नहीं किए जा सकते।

दुनिया भर के लिए बड़ी चुनौती बना पर्यावरण संकट

कुलभूषण उपमन्यु

पिछली डेढ़ शताब्दी, जब से औद्योगिक क्रांति ने विकास की गति तेज की और प्रकृति को जीतने की होड़ मच गई, मशीनों ने बंधक-निर्माण-शक्ति मानव के हाथ में दे दी तब से विकास की परिभाषा भी धीरे-धीरे बदल गई। गुणात्मक जीवन के बजाय बाहुल्य को विकास माना जाने लगा। प्रकृति के साथ दुर्व्यवहार का अंतहीन सिलसिला आरंभ हो गया। प्रकृति के दोहन से ही बाहुल्य के लिए सामान बनाए जा सकते थे इसलिए प्राकृतिक संसाधनों के असीमित दोहन की शुरुआत हो गई। उपनिवेशवाद के दौर में कम मशीनी शक्ति वाले देशों पर तथाकथित विकसित देशों द्वारा कब्जे किये गए और उनके संसाधनों को बेदर्दी से नष्ट किया गया। सभ्य कहलाने वाले देशों द्वारा कमजोर देशों के मूल निवासियों को किस तरह प्रताड़ित किया, उनकी सभ्यताओं को असभ्य घोषित करके नष्ट करने का कार्य किया गया, वह अपने आप में घिनौना इतिहास है। इसके अवशेष अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासियों के रूप में देखे जा सकते हैं। किन्तु यह आधुनिक सभ्यता अब अपने ही भार से भस्मासुर की तरह नष्ट होने की दिशा में बढ़ती प्रतीत हो रही है। इस सभ्यता ने अपने ही मूल पर आघात करना शुरू कर दिया है। वैज्ञानिक समझ के विकास के चलते सब गलत दिशा को समझ भी रहे हैं किन्तु विज्ञान का दुरूपयोग प्रकृति विनाशक शक्ति के रूप में किया जा रहा है। दुनिया के सबसे विद्वान् वैज्ञानिकों की बहुसंख्या युद्ध विज्ञान के विकास में संलग्न कर दी गई है क्योंकि निर्णय लेने वाले लोग आदिम क्रूर मानसिकता के ही वाहक बने हुए हैं जिनके हाथ में मशीन और विज्ञान, प्रकृति एवं प्राणी समाज के साथ मनमानी करने का हथियार बन गया है। ज्ञान, सुख और शांति का वाहक

बनने के बजाय युद्ध और क्रूरता का वाहक बन गया है। इस स्थिति में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के सातवें अधिवेषण में नैरोबी में प्रस्तुत की गई ग्लोबल आउटलुक 2025 रिपोर्ट पर्यावरण के साथ किये जा रहे दुर्व्यवहार को सरेखित करती है और अपने तौर-तरीकों पर मानव समाज को पुनर्विचार करके संशोधित करने की दिशा दिखलाती है। जलवायु परिवर्तन, प्रकृति के साथ किये जा रहे दुर्व्यवहार की प्रतिक्रिया के रूप में एक बड़े खतरे के रूप में चुनौती पेश कर रहा है। मशीनीकरण को चलाए रखने के लिए जिस उर्जा की बड़े पैमाने पर जरूरत है, वह जीवाश्म ईंधन से पैदा की जा रही है। इस उत्पादन प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर धुआं और जहरीली गैसें उत्सर्जित होती हैं जो हरित प्रभाव पैदा करके वायुमंडल के तापमान में अप्रत्याशित वृद्धि कर रही हैं। तापमान वृद्धि से पूरा जलवायु का संतुलन हिल गया है। कहीं अतिवृष्टि हो रही है तो कहीं अनावृष्टि हो रही है। ग्लेशियर पिघल कर समाप्त होने की ओर अग्रसर हैं जो आसन्न जल संकट का कारण बनेंगे। रिपोर्ट के अनुसार हरित प्रभाव गैसों के उत्सर्जन से अभी 1.5 डिग्री सेंटीग्रेड तक तापमान में वृद्धि हुई है जो साल 2024 में 1.55 डिग्री सेंटीग्रेड हो गई है। इस गति से वृद्धि होने पर जलवायु पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ रहा है जो आगे बढ़ता जाएगा। यदि तापमान वृद्धि को रोका नहीं गया तो इसके कारण जैव विविधता पर भी बुरा असर पड़ने वाला है। जिससे 10 लाख प्रजातियों के विलुप्त होने का खतरा पैदा हो गया है। 20 से 40त्न प्रतिशत भू-भाग वैश्विक स्तर पर अनुपजाऊ होने के कगार पर है, जिससे 300 करोड़ लोग प्रभावित होंगे।जलवायु से जुड़ी भीषण घटनाओं के कारण जनधन की भारी हानि हो रही है। आर्थिक रूप में वार्षिक 14300 करोड़ डॉलर की हानि पिछले दो दशकों से हो रही है। वायु प्रदूषण के कारण साल 2019 में स्वास्थ्य संबंधी आर्थिक नुकसान 8.1 ट्रिलियन डॉलर आंका गया, जो वैश्विक अर्थ व्यवस्था का 6.1 प्रतिशत है। 90 लाख मौतें प्रदूषण संबंधी कारणों से हुईं। 80 हजार लाख टन प्लास्टिक कचरा फैला हुआ है, जिससे गंभीर रासायनिक तत्वों से संपर्क हो रहा है और इससे 1.5 ट्रिलियन डॉलर की आर्थिक हानि प्रति वर्ष हो रही है। नैनो प्लास्टिक तत्व मानव शरीर तक पहुंच कर स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा कर रहे हैं। अनुमान है कि यदि साल 2040 तक तापमान वृद्धि 2 डिग्री सेंटीग्रेड तक पंहुच गई तो जलवायु परिवर्तन के कारण पारिस्थितिक-व्यवस्था का अपूरणीय विनाश हो सकता है जिससे बड़े पैमाने पर विस्थापन होगा। अर्थव्यवस्थाएँ चौपट हो सकती हैं और बेरोजगारी, गरीबी और अस्थिरता बढ़ेगी। उपजाऊ जमीनों के नष्ट होने से भूख, विविधता विनाश, पौष्टिक आहार की कमी, अकाल और सामाजिक असंतोष के हालात बनेंगे। इस स्थिति से निपटने के लिए तत्काल गंभीर प्रयास करने की जरूरत है। किन्तु जलवायु नियंत्रण समझौतों के विषय में बहुत से देश विमुखता दिखा रहे हैं। जो मान भी रहे हैं वे भी हरित प्रभाव गैसों के उत्सर्जन में कटौती के लिए स्व घोषित लक्ष्य ही मानने तक सीमित रहना चाहते हैं। इस स्थिति से बाहर निकल कर कुछ आवश्यक कदम उठाने होंगे। ख़ासकर हरित प्रभाव गैसों के उत्सर्जन में भारी कटौती करनी होगी। जिसके लिए कार्बन मुक्त उर्जा विकल्पों की ओर मुड़ना होगा। सौर उर्जा, पवन उर्जा, हाइड्रो काइनेटिक उर्जा आदि विकल्प उपलब्ध और विकसित करने होंगे। पेट्रोल, डीज़ल पर दी जा रही सब्सिडी को हरित उर्जा की ओर मोड़ना पड़ेगा अत्यधिक संसाधन दोहन और दुरूपयोग को नियंत्रित करने के लिए ÷यूज़ एंड थ्रो÷ उत्पाद पद्धति को बदल कर टिकाऊ और मरम्मत किये जा सकने योग्य उत्पाद बनाने होंगे। बेकार पदार्थों और कचरे के पुन॰ चक्रीकरण की व्यवस्थाओं को प्रोत्साहित करना संसाधनों के अत्यधिक दोहन को रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। वायु प्रदूषण को रोकना, पारिस्थितिक तंत्र को बचाना और पुनर्जीवित करने पर जोर देना पड़ेगा। जलवायु परिवर्तन से मुकाबला करने के लिए इसे रोकने के जरूरी कदम उठाने के साथ-साथ जलवायु अनुकूलन की विधियाँ तलाशनी होंगी। परिवहन के कारण होने वाले भारी प्रदूषण से निपटने के लिए टिकाऊ सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को आरामदायक बनाते हुए उसे विकसित करना पड़ेगा। समस्याएँ तो आती रहेंगी किन्तु समाधान के लिए प्रकृति आधारित हल प्राथमिकता से ढूंढे जाएं तो हालत सुधरने में मदद जरूर मिलेगी।

आज का राशिफल

मेष	निकट संबंधों में शंकाओं को हावी न होने दें। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति होने के आसार बनेंगे। नौकरी का वातावरण सुखद होगा। सगे-संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी।
मिथुन	संबंधों में कटु वचनों का प्रयोग न करें। माता के स्वास्थ के प्रति सचेत रहें। अच्छे कायरे द्वारा प्रशंसा के पात्र बनेंगे। राजनीति से जुड़े लोगों को ग्रहों की अनुकूलता का लाभ मिलेगा।
वृषभ	आर्थिक क्षेत्र में लाभ के आसार हैं। अवरोधित कार्य हल होंगे। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। विद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी।
कर्क	बीती बातों को भूलने की कोशि करें। रोजगार में कुछ अच्छे अवसर मिलेंगे। भौतिक इच्छाएं बलवती होंगी। अभिभावकों के भावनात्मक सहयोग से उत्साह में वृद्धि होगी।
सिंह	नकारात्मक चिंताओं का त्याग करें। महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां अपनी पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगी। वर्तमान में आपको सकारात्मक सोच के साथ सकारात्मक दिशा में प्रयास करना चाहिए।
तुला	महत्वाकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी। घरेलू कायरें में अत्याधिक व्यय का योग है। कार्यक्षेत्र में व्यस्तता बढ़ेगी। परिवार में सुखद स्थिति प्रसन्नता लाएगी।
कन्या	किसी नये कार्य की ओर आपका रुझान बढ़ेगा। किसी महत्वपूर्ण फैसले के लिए मन केंद्रित होगा। नवीन योजनाओं द्वारा प्रगति होगी। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रखें।
वृश्चिक	परिश्रम का समुचित लाभ प्राप्त होगा। पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा। महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा।
धनु	मन सुंदर कल्पनाओं से प्रभावित रहेगा। नये संबंधों के प्रति निकटता बढ़ेगी। उपस्थित साधनों में सन्तुष्ट व तृप्त होने का प्रयत्न करें। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्कता अपेक्षित है।
कुंभ	राजनीति से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल रहेगा। अच्छे कायरे के लिए प्रशंसनीय होंगे। शासन-सत्ता से लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा।
मकर	विभागीय परिवर्तनों से कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। अपने अन्दर धैर्य व वाणी में मधुरता लावें। कुछ नई अभिलाषाएं मन में जागृत होंगी। प्रियजनों का सनिध्य प्राप्त होगा।
मीन	आवोश में किये गये कार्य से कष्ट संभव। भावनात्मक समस्याओं पर सगे-संबंधियों के बीच खुलकर बात करें। कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे।

गुरू गोबिंद सिंह जीः त्याग और बलिदान के सच्चे प्रतीक

- योगेश कुमार गोयल

****

सिखों के 10वें गुरु गोबिंद सिंह जी का प्रकाश पर्व इस वर्ष 27 दिसंबर को मनाया जा रहा है। हिन्दू कैलेंडर के अनुसार गुरु गोबिंद सिंह का जन्म 1667 ई. में पौष माह की शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को 1723 विक्रम संवत् को पटना साहिब में हुआ था। प्रतिवर्ष इसी दिन गुरु गोबिंद सिंह का प्रकाशोत्सव मनाया जाता है। गुरु गोबिंद सिंह जी को बचपन में गोबिंद राय के नाम से जाना जाता था। उनके पिता गुरु तेग बहादुर सिखों के 9वें गुरु थे। पटना में रहते हुए गुरू जी तीर-कमान चलाना, बनावटी युद्ध करना इत्यादि खेल खेला करते थे, जिस कारण बच्चे उन्हें अपना सरदार मानने लगे थे। पटना में वे केवल 6 वर्ष की आयु तक रहे और सन् 1673 में सपरिवार आनंदपुर साहिब आ गए। यहीं पर उन्होंने पंजाबी, हिन्दी, संस्कृत, बृज, फारसी भाषाएं सीखने के साथ घुड़सवारी, तीरंदाजी, नेजेबाजी इत्यादि युद्धकलाओं में भी महारत हासिल की। कश्मीरी पंडितों के धार्मिक अधिकारों की रक्षा के लिए उनके पिता और सिखों के 9वें गुरु तेग बहादुर जी द्वारा नवम्बर 1975 में दिल्ली के चांदनी चौक में शीश कटाकर शहादत दिए जाने के बाद मात्र 9 वर्ष की आयु में गुरु गोबिंद सिंह जी ने सिखों के 10वें गुरू पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभाली और खालसा पंथ के संस्थापक बने। शौर्य, साहस, त्याग और बलिदान के सच्चे प्रतीक तथा इतिहास को नई धारा देने वाले अद्वितीय, विलक्षण और अनुपम व्यक्तित्व के स्वामी गुरु गोबिंद सिंह जी को इतिहास में एक विलक्षण क्रांतिकारी संत व्यक्तित्व का दर्जा प्राप्त है। वे कहते थे कि किसी भी व्यक्ति को न किसी से डरना चाहिए और न ही दूसरों को डराना चाहिए। उन्होंने समाज में फैले भेदभाव को समाप्त कर समानता स्थापित की थी और लोगों में आत्मसम्मान तथा निडर रहने की भावना पैदा की। एक आध्यात्मिक गुरु होने के साथ-साथ वे एक निर्भयी योद्धा, कवि, दार्शनिक और उच्च कोटि के लेखक भी थे। उन्हें विद्वानों का संरक्षक भी माना जाता था। कहा जाता है कि 52 कवियों और लेखकों की उपस्थिति सदैव उनके दरबार में बनी रहती थी और इसीलिए उन्हें 'संत सिपाही' भी कहा जाता था। उन्होंने स्वयं कई ग्रंथों की रचना की थी। 'बिचित्र नाटक' को गुरु गोबिंद सिंह की आत्मकथा माना जाता है, जो उनके जीवन के विषय में जानकारी का सबसे महत्वपूर्ण स्रोत है। यह 'दशम ग्रंथ' का एक भाग है, जो गुरु गोबिंद सिंह की कृतियों के संकलन का नाम है। इस दशम ग्रंथ की रचना गुरू जी ने हिमाचल के पोंटा साहिब में की थी। कहा जाता है कि एक बार गुरु गोबिंद सिंह अपने घोड़े पर सवार होकर हिमाचल प्रदेश से गुजर रहे थे और एक स्थान पर उनका घोड़ा अपने आप आकर रुक गया। उसी के बाद से उस जगह को पवित्र माना जाने लगा और उस जगह को पोंटा साहिब के नाम से जाना जाने लगा। दरअसल 'पोंटा' शब्द का अर्थ होता है 'पांव' और जिस जगह पर घोड़े के पांव अपने आप थम गए, उसी जगह को पोंटा साहिब नाम दिया गया। गुरु जी ने अपने जीवन के चार वर्ष पोंटा साहिब में ही बिताए, जहां अभी भी उनके हथियार और कलम रखे हैं। 1699 में बैसाखी के दिन तख्त श्री केसगढ़ साहिब में कड़ी परीक्षा के बाद पांच सिखों को 'पंज प्यारे' चुनकर गुरु गोबिंद सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना की थी, जिसके बाद प्रत्येक सिख के लिए कृपाण या श्रीसाहिब धारण करना अनिवार्य कर दिया गया। वहीं पर उन्होंने 'खालसा वाणी' भी दी, जिसे 'वाहे गुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फतेह' कहा जाता है। उन्होंने जीवन जीने के पांच सिद्धांत दिए थे, जिन्हें 'पंच ककार' (केश, कड़ा, कृपाण, कंघा और कच्छा) कहा जाता है। गुरु गोबिंद सिंह ने ही 'गुरु ग्रंथ साहिब' को सिखों के स्थायी गुरु का दर्जा दिया था। सन् 1708 में गुरु गोबिंद सिंह ने महाराष्ट्र के नांदेड़ में शिविर लगाया था। वहां जब उन्हें लगा कि अब उनका अंतिम समय आ गया है, तब उन्होंने संगतों को आदेश दिया कि अब गुरु ग्रंथ साहिब ही आपके गुरु हैं। गुरु जी का जीवन दर्शन था कि धर्म का मार्ग ही सत्य का मार्ग है और सत्य की हमेशा जीत होती है। वे कहा करते थे कि मनुष्य का मनुष्य से प्रेम ही ईश्वर की भक्ति है, अतः जरूरतमंदों की मदद करो। अपने उपदेशों में उनका कहना था कि ईश्वर ने मनुष्यों को इसलिए जन्म दिया है ताकि वे संसार में अच्छे कर्म करें और बुराई से दूर रहें। उन्होंने कई बार मुगलों को परास्त किया। आनंदपुर साहिब में तो मुगलों से उनके संघर्ष और उनकी वीरता का स्वर्णिम इतिहास बिखरा पड़ा है। सन् 1700 में दस हजार से भी ज्यादा मुगल सैनिकों को सिख जांबाजों के सामने मैदान छोड़ कर भागना पड़ा था और गुरु जी की सेना ने 1704 में मुगलों के अलावा उनका साथ दे रहे पहाड़ी हिन्दू शासकों को भी करारी शिकस्त दी थी। मुगल शासक औरंगजेब की भारी-भरकम सेना को भी आनंदपुर साहिब में दो-दो बार धूल चाटनी पड़ी थी। गुरु गोबिंद सिंह के चारों पुत्र अजीत सिंह, फतेह सिंह, जोरावर सिंह और जुझार सिंह भी उन्हीं की भांति बेहद निडर और बहादुर योद्धा थे। अपने धर्म की रक्षा के लिए मुगलों से लड़ते हुए गुरु गोबिंद सिंह ने अपने पूरे परिवार का बलिदान कर दिया था। उनके दो पुत्रों बाबा अजीत सिंह और बाबा जुझार सिंह ने चमकौर के युद्ध में शहादत प्राप्त की थी। 26 दिसम्बर 1704 को गुरु गोबिंद सिंह के दो अन्य साहिबजादों जोरावर सिंह और फतेह सिंह को इस्लाम धर्म स्वीकार नहीं करने पर सरहिंद के नवाब द्वारा दीवार में जिंदा चुनवा दिया गया था और माता गुजरी को किले की दीवार से गिराकर शहीद कर दिया गया था। गुरु गोबिंद सिंह ने 7 अक्टूबर 1708 को महाराष्ट्र के नांदेड़ में स्थित श्री हुजूर साहिब में अपने प्राणों का त्याग किया था।

पाकिस्तान के मन से अब तक नहीं गया ऑपरेशन सिंदूर का डर, सीमा पर लगाए एंटी-ड्रोन सिस्टम

नयी दिल्ली ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने पाकिस्तान पर कई हवाई हमले करते हुए उसे बुरी तरह पराजित किया था। उस हार का भय पाकिस्तान के मन से जा नहीं रहा है। अब उसने एलओसी के पास एंटी ड्रोन सिस्टम की तैनाती बढ़ा दी है, जिससे भारत अगली बार हवाई हमले करता है तो उसे कुछ सोचने-समझने का समय मिल सके। हालांकि, ऑपरेशन सिंदूर के समय पाकिस्तान के चीनी एंट्री ड्रोन सिस्टम बिल्कुल काम नहीं किए थे और भारत ने जहां चाहा था, वहां हमला किया था। पाकिस्तान ने एलओसी के पास पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के आगे वाले इलाकों में एंट्री ड्रोन की तैनाती को बढ़ाया है। उसने रावलकोट, कोटली, भीमबर सेक्टर पर नए काउंटर अनमैन्ड एरियल सिस्टम (सी-यूएएस) लगाए हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पाकिस्तान ने 30 डेडीकेटेड एंटी-ड्रोन सिस्टम्स लगाए हैं। इसके जरिए पाकिस्तान अपने एयरस्पेस को बेहतर करने में लगा हुआ है।पाकिस्तानी सेना ने इलेक्ट्रॉनिक और काइनेटिक काउंटर यूएएस सिस्टम का मिक्स लगाया है। इसको लेकर दावा किया जाता है कि यह दस किलोमीटर की रेंज में आने वाले छोटे या फिर बड़े ड्रोन का पता लगा सकता है। हालांकि, यह युद्ध के समय कितना काम आएगा, यह तो समय पर ही पता चलेगा। वहीं, पाकिस्तान सफ्राह एंटी यूएवी जैमिंग गन का भी इस्तेमाल करता है, जिसे कंधे से चलाया जाता है और आसानी से डेढ़ किलोमीटर की रेंज में आने वाले ड्रोन को मार गिराया जा सकता है।अप्रैल महीने में पाकिस्तान ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला करके कई पर्यटकों की जान ले ली थी। इसके बाद भारत ने मई के शुरुआत में ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया और पीओके से लेकर पाकिस्तान तक, लश्कर, जैश जैसे आतंकियों के ठिकानों पर हवाई हमले किए। इसमें बड़ी संख्या में आतंकी मारे गए। पाकिस्तान ने भी जवाबी कार्रवाई की और जम्मू-कश्मीर से गुजरात तक बॉर्डर के इलाकों में तुर्की ड्रोन के जरिए हमले की नाकाम कोशिश की। भारत ने फिर जवाब देते हुए पाकिस्तान के कई एयरबेस को तबाह कर दिया था। हालांकि, बाद में दोनों देशों के बीच युद्धविराम की घोषणा हो गई, लेकिन भारत ने साफ कर दिया कि ऑपरेशन सिंदूर खत्म नहीं हुआ है और यह अब भी जारी है। अगर पाकिस्तान की ओर से आगे कोई भी हमला किया गया तो उसे एक्ट ऑफ वॉर माना जाएगा।

झरिया विधायक के हस्तक्षेप के बाद नगर निगम सफाई कर्मियों का अनिश्चितकालीन धरना समाप्त

धनबाद। धनबाद नगर निगम की सफाई एजेंसी रेमकी के करीब 550 सफाईकर्मियों का जनता श्रमिक संघ के बैनर तले जारी अनिश्चितकालीन हड़ताल आज चौथे झरिया विधायक सह जनता श्रमिक संघ की महामंत्री रागिनी सिंह और पूर्व विधायक संजीव सिंह के हस्तक्षेप के बाद कंपनी के अधिकारियों के साथ घण्टों चली बैठक के बाद शुक्रवार को धरना समाप्त हो गया।धरना के चौथे दिन मौके पर पहुंची झरिया विधायक रागिनी सिंह और पूर्व विधायक संजीव सिंह का कंपनी पदाधिकारियों के साथ घंटो चले वार्ता के बाद निगम के सफाई कर्मियों की तमाम मांगों पर सहमति बनने और मृत आश्रितों को जल्द से जल्द नियोजन देने का आश्वासन मिलने के बाद निगम के सफाई कर्मियों ने अपना अनिश्चितकालीन धरना समाप्त कर दिया।

वहीं, जानकारी देते हुए विधायक रागिनी सिंह और पूर्व विधायक संजीव सिंह ने कहा कि नगर निगम के प्रशासक मजदूरों के हित के लिए कोई भी काम नहीं करते हैं, जिसकी वजह से आज मजदूरों को यह कदम उठाना पड़ा। जबकि मजदूरों की मांग जायज है, उनके हक और अधिकार के लिए जनता मजदूर संघ हमेशा उनके साथ है। उन्होंने कहा कि आज मजदूर की मांगों को लेकर प्रबंधन से हुई वार्ता सफल रही और कंपनी के जरिये सभी मांगों को मान लिया गया है।उल्लेखनीय है कि नगर निगम के सफाई कर्मियों और नगर निगम की आउटसोर्स कंपनी रेमकी प्रबंधन के साथ ओवर टाइम, मजूदरी के साथ दुर्व्यवहार और दो कर्मियों की मौत के बाद उनके आश्रितों को नियोजन को लेकर तनातनी चल रही। जिसकों लेकर सफाई कर्मी पिछले चार दिनों से नगर निगम कार्यालय के मुख्य द्वार अनिश्चितकालीन धरना पर बैठे थे।

पेसा कानून पास होने पर झामुमो ने रांची में मनाया जश्न

रांची,। झारखंड मुक्ति मोर्चा ने हेमंत सोरेन सरकार की कैबिनेट से पेसा कानून पारित होने पर शुक्रवार को राजधानी रांची में अल्बर्ट एक्का चौक पर जश्न मनाया। इस दौरान पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी।झामुमो रांची जिला के संयोजक प्रमुख मुस्ताक आलम के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने बाजे-गाजे, रंग-अबीर और मिठाइयों के वितरण के साथ जुलूस निकाला। अल्बर्ट एक्का चौक का माहौल पूरी तरह उत्सवमय हो गया, जहां कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाइयां खिलाकर खुशी साझा की।इस मौके पर राज्यसभा सांसद डॉ. महुआ मांझी ने कहा कि पेसा कानून लागू होने से राज्य के आदिवासी और मूलवासी समुदायों के हक और अधिकारों की प्रभावी रक्षा हो

सकेगी। उन्होंने कहा कि इस कानून से ग्राम स्वशासन को मजबूती मिलेगी और ग्राम सभाओं को संवैधानिक अधिकार प्राप्त होंगे। यह आदिवासी समाज के लिए एक ऐतिहासिक कदम है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला संयोजक प्रमुख मुस्ताक आलम ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का आभार जताया। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन जो कहते हैं, वही करते हैं और उन्होंने यह साबित कर दिया है कि वे झारखंड के आदिवासी-मूलवासियों को दिल से महत्व देते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कभी झूठे आश्वासन नहीं देते और पेसा कानून का कैबिनेट से पास होना इसका सबसे बड़ा उदाहरण है।मुस्ताक आलम ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि पेसा कानून को लेकर भाजपा द्वारा हमेशा केवल आश्वासन दिया गया, लेकिन धरातल पर कोई काम नहीं हुआ। इसके विपरीत हेमंत सोरेन सरकार ने सत्ता में आते ही इस मुद्दे को गंभीरता से लिया और पेसा कानून विधेयक को कैबिनेट से पारित कर ऐतिहासिक फैसला लिया। उन्होंने कहा कि झामुमो कार्यकर्ताओं को अपने नेता पर गर्व है।जश्न के इस कार्यक्रम में झामुमो की कई प्रमुख नेता और सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए। इनमें प्रमुख रूप से राज्यसभा सांसद डॉ. महुआ मांझी, अंतू तिर्की, केंद्रीय सदस्य पवन जेड़िया, हेमलाल मेहता, अश्विनी शर्मा, जिला संयोजक मंडली सदस्य वीरू तिर्की, धर्मेंद्र सिंह, महानगर संयोजक मंडली सदस्य रामशरण विश्वकर्मा, वीरू साहू, रतीश द्विवेदी, अंकिता वर्मा, अफरोज आलम, फरीद खान, मधु तिर्की, आरिज खान कुलदीपक, जनक नायक, डॉ. चिंतामणि सांगा, मंटू लाला, गुड्डू, कांके प्रखंड अध्यक्ष नवीन तिर्की, चामू बैंक सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे।

30 करोड़ की संपत्ति और पाकिस्तानी कनेक्शन, शम्सुल हुदा खान पर ईडी ने कसा शिकंजा

नयी दिल्ली प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को बताया कि उसने ब्रिटेन में रह रहे उत्तर प्रदेश के इस्लामी उपदेशक शम्सुल हुदा खान के खिलाफ धनशोधन का मामला दर्ज किया है। अधिकारियों के अनुसार, खान पर पाकिस्तानी संगठन सहित कट्टरपंथी संगठनों से संबंध होने के आरोप हैं। उन्होंने बताया कि धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज यह मामला उत्तर प्रदेश आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) की प्राथमिकी पर आधारित है। संघीय जांच एजेंसी के मुताबिक, खान को 1984 में उत्तर प्रदेश के एक सरकारी सहायता प्राप्त मदरसे में सहायक शिक्षक नियुक्त किया गया था। अधिकारियों के अनुसार, आरोप है कि उसने 2013 में ब्रिटेन की नागरिकता हासिल कर ली, लेकिन इसके बावजूद 2013 से 2017 के बीच विदेश में रहते हुए भी वेतन लेता रहा, जबकि उस अवधि में वह न तो भारतीय नागरिक था और न ही शिक्षण कार्य कर रहा था। खान से इस मामले पर प्रतिक्रिया के लिए संपर्क नहीं हो सका है। जांच में यह भी सामने आया है कि खान ने पिछले 20 वर्षों में कई देशों की यात्राएं कीं और सात से आठ भारतीय बैंक खातों के जरिए कथित तौर पर धन प्राप्त किया। अधिकारियों के अनुसार, खान ने करीब 30 करोड़ रुपये मूल्य की लगभग 12 अचल संपत्तियां भी कथित तौर पर अर्जित की हैं। उस पर कट्टरपंथी विचारधारा को बढ़ावा देने और धार्मिक शिक्षा की आड़ में अवैध वित्तपोषण संबंधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। ईडी अधिकारियों ने बताया कि आजमगढ़ जिले के मूल निवासी खान ने अपने गैर-सरकारी संगठन 'राजा फाउंडेशन' तथा निजी बैंक खातों के माध्यम से कथित तौर पर विभिन्न मदरसों को धन पहुंचाया। उस पर आजमगढ़ और संत कबीर नगर में दो मदरसे स्थापित करने का भी आरोप है, जिनके पंजीकरण बाद में रद्द कर दिए गए। अधिकारियों ने बताया कि ब्रिटेन स्थित कट्टरपंथी संगठनों से उसके संबंधों की जांच की जा रही है। इसके अलावा, खान के पाकिस्तान दौरे की भी जानकारी सामने आई है और अधिकारियों का आरोप है कि वह पाकिस्तानी कट्टरपंथी संगठन 'दावत-ए-इस्लामी' का सदस्य है। ईडी ने बताया कि जांच के तहत आरोपी के वित्तपोषण नेटवर्क, विदेशी संपर्कों और संपत्तियों की विस्तृत छानबीन की जा रही है।

बंगाल चुनाव से पहले भाजपा को बड़ा झटका, अभिनेत्री पर्णो मित्रा टीएमसी में शामिल

कोलकाता पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनावी साल की शुरुआत से पहले ही नेताओं के एक से दूसरी पार्टी में जाने का सिलसिला शुरू हो गया है। शुक्रवार को भाजपा के टिकट पर विधानसभा चुनाव में किस्मत आजमा चुकी बंगाली अभिनेत्री पर्णो मित्रा ने पार्टी छोड़ दी। पर्णो मित्रा ने भाजपा छोड़कर अब सूबे की सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस का दामन थाम लिया है। पश्चिम बंगाल की प्रसिद्ध टीवी फेस पर्णो मित्रा ने शुक्रवार को कोलकाता में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान औपचारिक रूप से टीएमसी की सदस्यता ग्रहण कर ली। टीएमसी जॉइन करने के बाद पर्णो ने अपने भाजपा में शामिल होने के फैसले को गलती बताया है। उन्होंने कहा कि अब उन गलतियों को सुधारने का समय है।बंगाली अभिनेत्री पर्णो ने ममता बनर्जी की अगुवाई में टीएमसी जॉइन करने को अपने लिए बड़ा अवसर भी बताया। उन्होंने भाजपा को लेकर कहा कि छह साल पहले मैंने भाजपा जॉइन की थी। वहां चीजें ठीक नहीं थीं। गौरतलब है कि पर्णो मित्रा पश्चिम बंगाल में टीवी का लोकप्रिय चेहरा हैं। पर्णो ने 2019 में भाजपा जॉइन कर अपने राजनीतिक सफर का आगाज किया था। भाजपा ने 2021 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में पर्णो को उम्मीदवार भी बनाया था। हालांकि, पर्णो मित्रा तब चुनाव हार गई थीं। पर्णो मित्रा को पिछले बंगाल चुनाव में भाजपा ने बारानगर विधानसभा सीट से टिकट दिया था। तब पर्णो मित्रा को टीएमसी उम्मीदवार से शिकस्त झेलनी पड़ी थी। चुनाव प्रचार के दौरान उनके काफिले पर हमले की घटना भी हुई थी, जिसके बाद सियासत गर्मा गई थी। पर्णो मित्रा ने तब कथित हमले के लिए टीएमसी को जिम्मेदार बताते हुए कहा था कि हमला करने वाले लोग टीएमसी के थे। इस घटना के

जेवर व्यवसायी से एक करोड़ रंगदारी मांगने वाले कुख्यात प्रिंस खान के दो गुर्गे गिरफ्तार

मेदिनीनगर शहर थाना क्षेत्र के पंचमुहान के पास स्थित जेवर व्यवसायी गोल्ड हाउस दुकान के मालिक रंजीत कुमार सोनी से 20 दिसंबर को गैंगस्टर प्रिंस खान की ओर से एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने के मामले में पुलिस ने दो अपराधियों गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार अपराधियों के नाम मो नाजिम और मुर्तजा अंसारी है। दोनों के पास पु?लिस ने हथियार और गोली बरामद की है। दोनों मेदिनीनगर के पहाड़ी मुहल्ला के रहने वाले हैं।एसपी रीष्मा रमेशन ने शुक्रवार को जानकारी दी कि गैंगस्टर प्रिंस खान ने फोन और व्हाट्सएप के माध्यम से दुकान मालिक से एक करोड़ रुपये की रंगदारी की मांग की थी। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मणिभूषण प्रसाद के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी

दल का गठन किया गया। गुप्त सूचना के आधार पर गुरुवार को कांग्रेस भवन के समीप नगर निगम के निर्माणाधीन भवन के पीछे छापामारी की गई, जहां से दो अपराधियों को हथियार और दो गोली के साथ गिरफ्तार किया गया।वारदात के पहले दोनों ने दुकान की थी रेकी गिरफ्तार अभियुक्तों ने अपने स्वीकारोक्ति बयान में गैंगस्टर प्रिंस खान से मोबाइल फोन के माध्यम से संपर्क में रहने की बात स्वीकार की है। उन्होंने यह भी बताया कि सोना दुकान के आसपास दहशत फैलाने के उद्देश्य से फायरिंग करने के लिए प्रिंस खान ने 22 दिसंबर को मो नाजीम के खाते में 24 हजार रुपये भेजे गए थे। दोनों अभियुक्त सोना दुकान के पास फायरिंग की योजना बना रहे थे, तभी पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। वारदात के पहले दोनों ने दुकान की रेकी भी की थी। सीसीटीवी कैमरे के वीडियो से इसकी पुष्टि हुई है।अभियुक्तों ने यह भी बताया कि घटना को अंजाम देने के बाद चतरा इंटरगंज क्षेत्र में भी कुछ लोगों के साथ मिलकर दहशत फैलाने के लिए फायरिंग करने का निर्देश प्रिंस खान ने दिया था। सोना व्यवसायी से रंगदारी के रूप में मिलने वाली राशि में से 20 प्रतिशत रूपए नाजिम को देने की बात कही गयी थी। नाजिम के खिलाफ 30 मई 2024 को मुरारी पांडेय पर गोली चलाने के मामले में मामला दर्ज किया गया था। वह मामले में जेल भी गया था। मुर्तजा ई-रिक?शा चलाता है और उसका घर का किराया अधिक बकाया हो जाने के कारण भुगतान करने के लिए नाजिम को मदद कर रहा था।

प्रिंस के संपर्क में ऐसे आया नाजिमदरअसल, प्रिंस खान ने चतरा में प्रेम सिंह को जिस मोबाइल नंबर से रंगदारी के लिए धमकी दी थी, वह नंबर न्यूज के माध्यम से सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। नाजिम ने उस नंबर को नोट कर प्रिंस खान से संपर्क किया था और रंजीत सोनी के बारे में जानकारी दी थी। इससे पहले रंजीत सोनी की गोल्ड हाउस दुकान से नाजिम ने इसी वर्ष जुलाई महीने में खरीददारी की थी। बिल पर रंजीत सोनी का मोबाइल नंबर था। नाजिम ने उस नंबर पर धमकी देने के लिए प्रिंस खान तक पहुंचाया था।एसपी ने कहा कि न्यूज का वेरिफिकेशन करने पर प्रिंस खान का मोबाइल नंबर होने की पुष्टि हुई थी। प्रिंस खान और नाजिम के बीच बातचीत का कॉल रिकार्ड निकाला जा रहा है। हथियार गोली के अलावा लोहे की पाइप, सोना दुकान की पर्ची, घटना में इस्तेमाल कार (जेएच010बी 0857) और मोटरसाइकिल (जेएच01एफसी 8052) बरामद किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

युवक का मिला शव, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

धनबाद। झरिया के जोड़ापोखर थाना क्षेत्र अंतर्गत जामाडोबा डुमरी दो नंबर इलाके में शुक्रवार को एक युवक का शव मिला है। मृतक की पहचान संतोष शर्मा (42) के रूप में हुई है, जो डुमरी मोड़ पर एसटीडी और फोटो फ्रेमिंग की दुकान चलाता था। स्थानीय लोगों की ओर से नाले में शव देखे जाने के बाद इसकी सूचना जोड़ापोखर थाना को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस दलबल के साथ मौके पर पहुंची और शव को नाले से बाहर निकलवाकर अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।मृतक के परिजन और स्थानीय महिलाओं के अनुसार संतोष शर्मा काफी मिलनसार स्वभाव का था। गुरुवार रात उसने अपनी पत्नी से फोन पर बात कर कहा था कि खाना बनाकर रखो घर आ रहा हूं। लेकिन इसके बाद वह घर नहीं पहुंचा। वहीं, शुक्रवार सुबह उसका शव नाले में मिलने की सूचना मिली। मृतक के शरीर पर चोट के निशान भी मिले हैं। जिससे लोग हत्या का संदेह प्रकट कर रहे हैं।इस संबंध में जोड़ापोखर थाना प्रभारी उदय कुमार ने बताया कि शव मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और नाले से शव बरामद किया गया है। मृतक के शरीर पर चोट के निशान पाए गए हैं। फिलहाल दो युवकों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है और मामले की गहन जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा।

एकल अभियान खूंटी ने मनाया वीर बाल दिवस

एकल अभियान की ओर से गायत्री नगर में शुक्रवार को वीर बाल दिवस मनाया गया। इस अवसर पर अभिभावक बालमुकुंद कश्यप और मनोज कुमार ने मुख्य रूप से उपस्थित हुए।अंचल समिति उपाध्यक्ष मनोज कुमार वीर बाल दिवस पर विशेष मार्गदर्शन करते हुए गुरु गोविंद सिंह के चारों वीर सपूतों के बारे जानकारी दी।उन्होंने कहा कि सनातन हिन्दू धर्म की रक्षा के लिए चारों ने अपने प्राण न्योछावर कर दिए, लेकिन दूसरे धर्म को स्वीकार नहीं किए और अपने धर्म को बचाया।मौके पर वीर सपूतों की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर बालमुकुंद कश्यप ने देशभक्ती गीत गा कर वीर सपूतों की जीवन गाथा को याद कराया। मौके में चन्द्रशेखर कुमार, करम सिंह महतो, सुन्दर पाहन, बिरेंद्र मुण्डा, प्रदीप महतो, जय सिंह मुण्डा, शिवचरण मुण्डा और विभिन्न गांव से आए 50आचार्य आचार्या उपस्थित रहे।

वीबी-ग्राम जी एक्ट को निरस्त कर मनरेगा बहाल करे केंद्र : कमलेश

पूर्वी सिंहभूम। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार विद्वेष की राजनीति के तहत काम कर रही है और ग्रामीणों से उनका संवैधानिक अधिकार छीना जा रहा है। उन्होंने महात्मा गांधी मनरेगा को कमजोर करने और उसके स्थान पर विकसित भारत रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम यानी वीबी-राम जी एक्ट लागू करने का कड़ा विरोध किया। बिष्टुपुर स्थित कांग्रेस कार्यालय तिलक पुस्तकालय में शुक्रवार को आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कमलेश ने कहा कि महात्मा गांधी नरेगा ग्रामीण भारत में मांग के आधार पर 100 दिनों का गारंटी रोजगार देता था, लेकिन नया कानून आपूर्ति आधारित है और बजट की सीमाओं में बंधा हुआ है।उन्होंने मांग किया कि मनरेगा को तत्काल बहाल किया जाए और वीबी-ग्राम जी एक्ट को निरस्त कर ग्रामीणों का कानूनी काम का अधिकार, उचित मजदूरी और स्थानीय सशक्तिकरण वापस लाया जाए। इसी दौरान उन्होंने कांग्रेस के 28 दिसंबर को 140वें स्थापना दिवस के अवसर पर पूरे झारखंड में धूमधाम से आयोजन करने का आह्वान किया और कहा कि पार्टी का गौरवशाली इतिहास रहा है। उन्होंने बताया कि इस अवसर को सफल बनाने के लिए प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से जिला कांग्रेस कमेटियों को झंडे और पर्चे उपलब्ध करा दिए गए हैं तथा जिन पदाधिकारियों के पास झंडा नहीं है, वे कार्यालय से प्राप्त कर अपने घरों पर झंडा फहराकर आयोजन में सहभागी बनें।मौके पर जिला अध्यक्ष परविंदर सिंह, वरिष्ठ नेता रामाश्रय प्रसाद, अशोक चौधरी, अजय सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष रविंद्र झा, आनंद बिहारी दुबे, खगेनचंद्र चंद्र महतो, अमित श्रीवास्तव सहित कई वरिष्ठ नेता उपस्थित थे।

पुलिस ने जररतमंदों के बीच किया कंबल वितरण

पुलिस अधीक्षक, खूंटी के सौजन्य से सामुदायिक पुलिसिंग कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को मारंगहादा थाना क्षेत्र की लांदुप पंचायत में जरूरतमंद ग्रामीणों के बीच कंबल वितरण किया गया। ठंड के मौसम को ध्यान में रखते हुए यह कार्यक्रम पंचायत भवन के समीप आयोजित किया गया, जहां चौकीदार, मुखिया और ग्राम प्रधान के माध्यम से पूर्व में तैयार की गई सूची के आधार पर जरूरतमंद ग्रामीणों को कंबल वितरित किया गया।कार्यक्रम के दौरान ग्राम प्रधान, वार्ड सदस्य और पंचायत के अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। पुलिस प्रशासन की ओर से ग्रामीणों के साथ सीधा संवाद स्थापित करते हुए सामुदायिक सहभागिता को मजबूत करने का प्रयास किया गया। कंबल वितरण के साथ-साथ आमजनों को सामाजिक बुराइयों के प्रति जागरूक करने पर भी विशेष जोर दिया गया।इस अवसर पर पुलिस ने अफीम पोस्ता की अवैध खेती के विरुद्ध व्यापक जागरूकता अभियान चलायाा। ग्रामीणों को बताया गया कि अफीम की खेती न केवल जमीन की उर्वरता को नष्ट करती है, बल्कि मानव जीवन और समाज पर भी इसका गंभीर दुष्प्रभाव पड़ता है। नशे की लत से परिवार, समाज और आने वाली पीढ़ी को होने वाले नुकसान के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।साथ ही, अफीम पोस्ता की खेती से जुड़े कानूनी प्रावधानों और सख्त कार्रवाई के बारे में भी ग्रामीणों को अवगत कराया गया। मारंगहादा के थाना प्रभारी विकास कुमार जायसवाल ने स्पष्ट कहा कि अवैध खेती पाए जाने पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस क्रम में ड्रोन के माध्यम से अफीम की खेती का पता लगाने के प्रयास किए जाने की जानकारी भी दी गई।मौके पर ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन की इस पहल की सराहना की और अवैध अफीम खेती के खिलाफ सहयोग का आश्वासन दिया।

किसान कांग्रेस के पूर्वी जोन के अध्यक्ष के बेटे हैं शुभम

बस्ती: किसान कांग्रेस के पूर्वी जोन के रामभवन शुक्ल के बेटे शुभम ने लंदन में अपनी मेधा का परचम फहराया है। वह ब्रिटश संसद की साइबर सुरक्षा टीम में बतौर इंजीनियर उसका हिस्सा बने हैं। उनकी मेधा के ब्रिटिश प्रधानमंत्री स्टार्मर भी कायल हैं। इसकी चर्चा वह अपनी संसद में कर चुके हैं। कप्तानगंज थाना क्षेत्र के बनकटिया गांव के रहने रामभवन शुक्ल के बेटे की सफलता पर जनपद वासी व कांग्रेस जन भी गदगद हैं। पिता ने बताया कि शुभम ने दिल्ली से बीटेक किया और शुरूआत में गूगल में नौकरी की। वहां पर भी साइबर सिक्योरिटी की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। अच्छे पैकेज के बावजूद उसने गूगल की शानदार नौकरी को अपनी मंजिल नही माना और एक कदम और आगे बढ़कर अब ब्रिटेन के संसद की साइबर सिक्योरिटी की जिम्मेदारी इसी हफ्ते से संभाल रहे हैं। शुभम शुक्ला की प्राथमिक इंडियन पब्लिक स्कूल हर्दिया, बस्ती में हुई थी। वह अभी भी इन उपलब्धियों को जिंदगी का एक पड़ाव मान रहे हैं। शुभम की उपलब्धि पर पिता रामभवन शुक्ल, पूर्व विधायक रामजियावन, अंबिका सिंह, अनूप पांडेय, विरेन्द्र प्रताप नारायण पाण्डेय, पूर्व जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पांडेय, जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी, शीतला शुक्ल, आदि ने खुशी जाहिर की है।

नकली सोना बेचने वाले तीन ठग गिरफ्तार

बस्ती: सोना चांदी के दुकान पर सोना बताकर इसके एवज मे पांच लाख रुपये की ठगी करने वाले तीन जालसाजों को पुलिस ने गिरफ्तार कर ठगों के गैंग का पर्दाफाश किया गया है। आरोपित ठगों को बेदीपुर नहर पुलिया से गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया। पकड़े गए आरोपितों में सुमेर सिंह निवासी ग्राम जोनाई थाना जैत, मथुरा, महेन्द्र सिंह व गोठिया निवासी बगड़, थाना तिराया, अलवर, राजस्थान के कब्जे से एक मोबाइल, 21500 कैश, 15 पीस पीली धातु बरामद की है।

बलिया-जिले का लाल तमिलनाडु में हुआ शहीद

जनता का सच-बलिया रिपोर्ट-राजेश 'महाजन' मण्डल-प्रभारी,आजमगढ़-मण्डल

बलिया-जिले के सिकंदरपुर क्षेत्र के बाछापार गांव के निवासी-रमेश कुमार प्रसाद- पुत्र-दयाशंकर प्रसाद उम्र-38- वर्ष जो नागालैंड पुलिस में कार्यरत तमिलनाडु में हुए एक हादसे में दर्दनाक मौत हो गई यह हादसा-19- दिसंबर-2025-को हुआ रमेश अपने पिता के दो संतानों में बड़े संतान थे रमेश अपने कर्तव्य के प्रति बहुत ही निष्ठावान रमेश की शादी-2013-में रुबी गुप्ता के साथ हुई थी रमेश के दो संतान बेटी कोमल गुप्ता और बेटा कमलेश गुप्ता है परिवार के बड़ा बेटा होने के कारण परिवार की पूरी जिम्मेदारी रमेश के कंधे पर थी रमेश के असमय मौत होने के बाद परिवार को इस बात की चिंता जताई सताई जा रही थी कि अब परिवार की जिम्मेदारी लेगा कौन मौत की खबर सुनते ही गांव में पूरा कोहराम मच गया और मातम का माहौल छा गया रमेश की पत्नी अभी भी बदहवास हालत में है गांव के लोगों का भी यही कहना है कि है कि परिवार की भरण-पोषण जिम्मेवारी अब किसके कंधे पर होगी और रमेश की मां कमला देवी का भी रो रो कर बुरा हाल है रमेश का पार्थिव शरीर हवाई मार्ग से वाराणसी लाया गया और अंतिम संस्कार किया गया।

बलिया-जिले में वीर बाल दिवस पर विशेष कार्यक्रम, उत्कृष्ट बच्चों को किया गया सम्मानित

जनता का सच-बलिया रिपोर्ट-राजेश 'महाजन' मण्डल-प्रभारी,आजमगढ़-मण्डल

बलिया-वीर बाल दिवस के अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन में कलेक्ट्रेट सभागार में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में जिलाध्यक्ष श्री संजय मिश्रा उपस्थित रहे। साथ ही कार्यक्रम के दौरान बच्चों एवं शिक्षकों के साथ वीर बाल दिवस का लाइव प्रसारण देखा गया। इसके उपरांत शिक्षा, कला एवं सामाजिक कार्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाली बालिकाओं एवं बालकों को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया। सम्मान पाकर बच्चों के चेहरे पर उत्साह और आत्मविश्वास झलकता नजर आया कार्यक्रम का संचालन जिला प्रोबेशन अधिकारी (डीपीओ) डॉ. अमरेन्द्र कुमार पौत्स्यायन द्वारा किया गया, जबकि समन्वय की जिम्मेदारी जिला समन्वयक, महिला कल्याण विभाग की अंजलि सिंह ने निभाई। इस अवसर पर राधा कृष्णा स्कूल, सनबीम स्कूल, बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालयों, नव भारती नारी विकास समिति तथा कृति सोशल वेलफेयर से जुड़े शिक्षकगण एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। महिला कल्याण विभाग से जिला मिशन समन्वयक अंजलि सिंह, जेंडर स्पेशलिस्ट निकिता सिंह, वन स्टॉप सेंटर से हर्षवर्धन चौबे, मनोज प्रजापति सहित विभागीय कर्मचारी एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों में देशभक्ति, साहस एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को सुदृढ़ करना रहा। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को बाल विवाह मुक्त भारत के लिए शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

बलिया-सिंचाई विभाग द्वारा किया गया सेवा-निवृत कर्मचारियों का विदाई एवं सम्मान समारोह

जनता का सच-बलिया रिपोर्ट-राजेश 'महाजन' मण्डल-प्रभारी,आजमगढ़-मण्डल

बलिया-नलकूप परिसर में-11- सेवा निवृत कर्मचारियों के सम्मान में सिचाई संघ उप्र के बैनर तले आयोजित सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि संजीव कुमार अधिशासी अभिन्यता ने कहा कि सेवानिवृती एक सामान्य प्रक्रिया है,जिससे हर सरकारी कर्मचारी और अधिकारियो एक न एक दिन आत्मसाथ करना होता है। आज आप लोग सेवा निवृत हुए एक शायद हमें भी इस प्रक्रिया का हिस्सा बनना पड़े।उन्होने कहा कि आज जो लोग रिटायर हुए है उन्हे आश्वस्थ करना चाहता हूं कि उनके पावनाओं के लिए परेशान नही होना पड़ेगा ससमय आप सभी को भुगतान मिल जायेगा। इस अवसर पर सेवानिवृत कर्मचारियो में चन्द्र देव मिश्र,विश्राम सिंह,रामाकान्त राम,स्वामीनाथ यादव,अरविन्द कुमार सिंह, रामाशंकर राम,राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष रामनाथ पासबान,महामंत्री नागेन्द्र प्रताप श्रीवास्तव,अजयसिंह,राजेश पाण्डेय ,अविनाश उपाध्याय,हेमंत सिंह,योगेन्द्र पाण्डेय,प्रताप नारायण उपाध्याय,सूरज समदर्शी,विद्या सागर दुबे,सिद्धार्थ तिवारी,राम जी सिंह,हरेकृष्ण पाण्डेय,एच एन दूबे किरन भारती,पिंकी नायक,प्रमिला सिंह,शर्मिला सिंह,स्नेहस्वरी आदि कर्मचारी नेता गण ने अपने विचार व्यक्त किया। अध्यक्षता अनिल कुमार सिंह,संचालन रामनाथ पासबान एंव आभार कार्यकारी अध्यक्ष कमला शंकर पाण्डेय ने व्यक्त किया।

बलिया-गुरु गोविंद सिंह जन्मोत्सव के पावन पर्व पर निकला विराट शोभा यात्रा

जनता का सच-बलिया रिपोर्ट-राजेश 'महाजन' मण्डल-प्रभारी,आजमगढ़-मण्डल

बलिया-नगर के गुरू दरबार से सिखों के दसवें गुरू महाराज गुरू गोविन्द साहेब प्रकाशोत्सव के पावन पर्व पर पंच प्यारे के नेतृत्व में गुरुवार की दोपहर विशाल शोभा यात्रा निकाली गयी जिसमें गुरू गुरूग्रन्थ साहब के साथ ही सैकड़ो की संख्या में झांकियां निकली,जो नगर के पूर्व निर्धारित मार्गो पर पुष्प वर्षा की बीच भ्रमण के पश्चात देर शाम गुरूदरबार पहुंची इस शोभा यात्रा मे सिख समुदाय की महिला और पुरूषगण भजन कीर्तन करते रहे।बीच बीच में जो बोले सो निहाल सत्य श्री अकाल के गगनभेदी नारे लगाये जाते रहे सुरक्षा को देखते हुए चप्पे चप्पे पर पुलिस के जवान तैनात रहे।शोभा यात्रा का मुख्य आकर्षण महिलाओ द्वारा सड़क पर झाड़ू से मार्ग की सफाई और पुष्प वर्षा और नन्हें बच्चे पारम्परिक परिधान मे बैण्ड बाजे की भक्तीमय ध्वनी रही जिसमे सरदार स्वर्ण सिंह तजेंद्र सिंह,रणजीत सिंह,बलबीर सिंह, सुरजीत सिंह, हरेंद्रपाल सिंह जगमीत सिंह हरजीत सिंह चावला, सुरेंद्र सिंह,अमृतपाल सिंह, इन्द्रपाल सिंह आदि शामिल रहे।

बलिया-बिशुनीपुर स्थित-मेथोडीस चर्च में मनाया गया क्रिसमस-डे- फेस्टिवल

जनता का सच-बलिया रिपोर्ट-राजेश 'महाजन' मण्डल-प्रभारी,आजमगढ़-मण्डल

बलिया-नगर के बिशुनीपुर स्थित मेथोडिस चर्च में ईसाई समुदाय की ओर से श्रद्धा पूर्व परमेश्वर ईसा मसिह का जन्मोत्सव गुरुवार को प्रातःपूरी हर्षोउल्लास के साथ ईसाई समुदाय के लोगो ने मनाया और एक दूसरे से गले मिलकर बधाईयां दी इस अवसर सेन्टाक्लाज ने बच्चो गिफ्ट और मिठाईयां भेंट की।इस मौके चर्च की पास्टर सत्या लारेंस लाल ने बताया कि बड़ा दिन के पावन अवसर पर देश मे अमन चैन की सभी ने मिलजुल कर प्रार्थना की गयी।उन्होने विस्तार से बड़ा दिन पर प्रकाश डाला।इस अवसर पर चर्च के वरिष्ठ सदस्य सुनील कुमार ने बताया विगत तीन दिनों से यहां प्रार्थना सभाओ में सैकड़ो ईसाई समुदाय के लोग श्रद्धा के साथ शामिल रहे जन्म समारोह को सुव्यवस्थित करने में सचिव अमीत मण्डल,कोषाध्यक्ष अभिषेक मैथ्यू,अनुराग लाल, अंगेस्टीन मैथ्यू व उमीर्ला, सुषमा लाल, रोजलिन,महिमा, सुषमा लाल,ज्योति प्रकाश,मिसेज पाल आदि सक्रिय रहे।

बलिया-सिकंदरपुर कस्बा में निकली बजरंग दल की शौर्य जागरण यात्रा

जनता का सच-बलिया रिपोर्ट-राजेश 'महाजन' मण्डल-प्रभारी,आजमगढ़-मण्डल

बलिया-विश्व भर में अपने शौर्य से सनातन धर्म की रक्षा एवं सेवा को समर्पित देश का बल कहे जाने वाले बजरंग दल रसड़ा ने विशाल शौर्य जागरण यात्रा का आयोजन किया जिसमें मुख्य अतिथि स्वरूप प्रांत सह मंत्री मंगलदेव चौबे एवं बजरंग दल के प्रांत संयोजक दुर्गेश प्रताप राव उपस्थित रहें शौर्य जागरण यात्रा के प्रारंभ में बजरंग दल ने सिकंदरपुर के राधिका उत्सव वाटिका में शौर्य गोष्ठी का कार्यक्रम आयोजित किया एवं सभी बजरंगियों को शौर्य जागरण, राष्ट्र के लिए समर्पण एवं बलिदान का महत्व बताया। विश्व हिन्दू परिषद गोरक्ष प्रांत के प्रांत सह मंत्री मंगलदेव चौबे ने सभी को बजरंग दल का महत्व बताते हुए कहा कि बजरंग दल की स्थापना के समय ही हमारा यह उद्देश्य था कि प्रभु श्रीराम को पुनः उनके महल में स्थापित करना जिसके लिए बजरंग दल ने अपने प्राणों को दाव पर लगाते हुए भारत पर लगे कलंक के ढांचे को भू में मिला दिया, जिसका प्रमुखता से आगे बढ़कर गोलियों की बारिश के बीच बजरंग दल के दो वीर राम कोठारी एवं शरद कोठारी भाइयों ने बाबरी मस्जिद के शिखर को तोड़ दिया और इसी दिन को बाबरी शौर्य दिवस कहा गया।

पिछले वर्ष जब पूरे संसार ने देखा कि हमारे आराध्य प्रभु श्रीराम अपने महल में पुनः विराजमान हुए उस समय बजरंग दल का संघर्ष फलीभूत हुआ। अपने शौर्य को याद करते हुए बजरंग दल प्रत्येक वर्ष शौर्य यात्रा निकलता है। साथ ही बजरंग दल के प्रांत संयोजक दुर्गेश प्रताप राव ने सभी को बजरंग दल के उदय को बताते हुए कहा कि जब जब भी बजरंग दल ने प्रभु श्री राम के कार्य को अपने हाथों में लिया है तब तब संसार ने बजरंग दल के लोहा माना है। अपनी स्थापना के समय 1984 से ही बजरंग दल ने भगवान राम की शोभा यात्रा के संरक्षण का कार्य अपने हाथों में लिया और उसके बाद किसी विधर्मी का इतना सामर्थ्य न हुआ कि हमारे आराध्य के शोभा यात्रा में विघ्न उत्पन्न कर दे। मात्र तीन साल के कार्यकाल में 1987 में बजरंग दल ने अयोध्या राम मंदिर पर लगे ताले को तोड़ दिया और प्रण किया कि ₹राम लला हम आयेंगे, मंदिर वही बनाएंगे₹ और अपने इस प्राण को फलीभूत करते हुए बजरंग दल के युवाओं ने बाबरी जैसे कलंक को मिटा दिया। अपने इस कार्य के बाद अब बजरंग दल ने काशी और मथुरा को भी मुक्त कराने का प्राण लिया है। जब बाबा अमरनाथ यात्रा कारण3 जा रहे श्रद्धालुओं पर आतंकवादियों ने कायरतापूर्ण प्रहार किया और कहा कि किसी भी हिंदू को यहां नहीं आने देंगे तब बजरंग दल आते आया और आतंकवादियों को भागना पड़ा और उसके बाद से ही हर साल बजरंग दल चट्टानी बूढ़ा अमरनाथ यात्रा करता है जिसमें देश भर से हजारों बजरंगी सहभाग करते हैं। वो दिन दूर नहीं जब बजरंग दल के नेतृत्व में भारत अखंड हिंदू राष्ट्र बनेगा और पूरी दुनियां के माथे पर तिलक का कार्य करेगा। इसके पश्चात बजरंग दल की शोभा यात्रा निकली गई जिसमें सैकड़ों बजरंगियों ने भाग लिया एवं इस यात्रा को भव्य बनाया। उक्त कार्यक्रम रसड़ा के संयोजक प्रतीक राय के संयोजकत्व में संपन्न हुआ इस अवसर पर प्रांत सह मीडिया प्रमुख अजय श्रीवास्तव, रसड़ा के अध्यक्ष राजीव सिंह चंदेल , मंत्री अरविंद मिश्रा, विभाग संयोजक दीपक गुप्ता, रसड़ा के संयोजक प्रतीक राय, सह संयोजक विपिन गुप्ता, सुरक्षा प्रमुख सोनू गुप्ता,आशु गिरी गोरक्षा प्रमुख एवं सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

बलिया-जिले में तीन दिवसीय सांसद खेल स्पर्धा सम्पन्न, खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

वॉलीबॉल, फुटबॉल, कबड्डी, कुश्ती व बैडमिंटन में रोमांचक मुकाबले

पांच विधानसभाओं के खिलाड़ियों ने सब जूनियर से सीनियर वर्ग में लिया भाग

राज्यसभा सांसद नीरज शेखर ने किया पुरस्कार वितरण, खिलाड़ियों को किया प्रोत्साहित

जनता का सच-बलिया रिपोर्ट-राजेश 'महाजन' मण्डल-प्रभारी,आजमगढ़-मण्डल

बलिया-जिला प्रशासन एवं खेल विभाग के संयुक्त तत्वावधान में वीर लोरिक स्पोर्ट्स स्टेडियम, बलिया में मा0 सांसद खेल स्पर्धा का आयोजन 23 से 25 दिसंबर 2025 तक किया गया। प्रतियोगिता के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद श्री नीरज शेखर रहे। उन्होंने भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया मुख्य अतिथि-नीरज शेखर ने अपने संबोधन में सभी खिलाड़ियों को जिला, राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने के लिए शुभकामनाएं दीं और खेलों को अनुशासन, स्वास्थ्य एवं उज्ज्वल भविष्य का माध्यम बताया। इस खेल प्रतियोगिता में जिले की पांच विधानसभाओं–बलिया नगर, फेफना, बैरिया, मुहम्मदाबाद एवं जहूराबाद–के सब जूनियर, जूनियर एवं सीनियर वर्ग के बालक एवं बालिकाओं ने भाग लिया। वॉलीबॉल, फुटबॉल, कबड्डी, एथलेटिक्स, कुश्ती, भारोत्तोलन एवं बैडमिंटन जैसी खेल विधाओं में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। वॉलीबॉल सब जूनियर बालक वर्ग में बलिया नगर विजेता एवं मुहम्मदाबाद उपविजेता रहा। जूनियर वर्ग में मुहम्मदाबाद विजेता तथा बलिया सदर उपविजेता रहा। फुटबॉल सब जूनियर बालक वर्ग में बलिया नगर विजेता एवं फेफना उपविजेता रहा, जबकि जूनियर वर्ग में मुहम्मदाबाद विजेता और बलिया सदर उपविजेता रहा। सीनियर वर्ग में बलिया नगर ने प्रथम तथा फेफना ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कबड्डी में विभिन्न वर्गों में बलिया नगर, मुहम्मदाबाद, बैरिया एवं जहूराबाद की टीमों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। बैडमिंटन में सब जूनियर, जूनियर एवं सीनियर वर्गों में बालक एवं बालिकाओं ने पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया। भारोत्तोलन एवं कुश्तीप्रतियोगिताओं में भी खिलाड़ियों ने अपने-अपने भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन कर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किए। प्रतियोगिता के दौरान निर्णायक की भूमिका में श्री अरविंद सिंह, नीरज राय, खुशीद अहमद, अमल कुअर, पंकज सिंह, अजीत सिंह, चंद्रकांत राय, मैन यादव, अजय राज सिंह, धर्मेंद्र पांडेय, रोहित भारद्वाज सहित अन्य निर्णायक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में जिला क्रीड़ाधिकारी श्री जवाहर लाल यादव ने सभी अतिथियों, खिलाड़ियों, निर्णायकों एवं आयोजन से जुड़े अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी श्री ओजस्वी राज्य, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री संजय मिश्रा, उत्तर प्रदेश महिला आयोग की सदस्य श्रीमती सुनीता श्रीवास्तव, सीटी मजिस्ट्रेट आशाराम वर्मा सहित अनेक जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, खेल संघों के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

बलिया-कौन बनेगा मद्धेशिया समाज का अध्यक्ष-निर्वाचन हेतु एक जनवरी से सदस्यता अभियान शुरू

जनता का सच-बलिया रिपोर्ट-राजेश 'महाजन' मण्डल-प्रभारी,आजमगढ़-मण्डल

बलिया-कदम चौराहा स्थित मद्धेशिया समाज का श्री गणिनाथ मंदिर के कार्यवाहक अध्यक्ष उमेश प्रताप एडवोकेट ने एक प्रेस विज्ञप्ति के द्वारा बताया कि श्रीगणिनाथ सेवाश्रम मंदिर एवं छात्रावास निर्माण समिति,भृगु आश्रम,बलिया के कार्यकारिणी के निर्वाचन हेतु सदस्यता अभियान दिनांक-1-जनवरी-2026-से दिनांक-15-फरवरी-2026-तक चलाया जाएगा ! जिसके मतदाता सूची का प्रकाशन दिनांक-21-फरवरी 2026 को किया जाएगा तथा मतदाता सूची पर दावा एवं आपत्ति दिनांक-12-फरवरी से 28 फरवरी तक आमंत्रित किए जाएंगे इसके बाद मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन- 7-मार्च 2026-को किया जाएगा कार्यकारिणी के निर्वाचन हेतु दिनांक- 15-मार्च- 2026- से दिनांक-19-मार्च- 2026-तक प्रातः-10:00-बजे से अपराह्न 3:00-तक नामांकन पत्र आमंत्रित किए जाएंगे जिनकी जांच दिनांक-20- एवं-21- मार्च को तथा नामांकन पत्रों की वापसी- 22- मार्च को-3:00-तक किया जाएगा तथा उसके बाद उसी दिन उम्मीदवारों की अंतिम सूची प्रकाशित की जाएगी मतदान तिथि-12-अप्रैल दिन रविवार को नियत किया गया है उक्त निर्वाचन हेतु श्री ओमप्रकाश गुप्ता(जूनियर-इंजीनियर)को निर्वाचन अधिकारी तथा संजीव कुमार गुप्ता(सोनी)को सहायक निर्वाचन अधिकारी नामित किया गया है निर्वाचन से संबंधित सूचना/कार्यक्रम की जानकारी एवं सदस्यता हेतु रसीद मंदिर परिसर स्थित कार्यालय से कार्य अवधि में प्राप्त किया जा सकता है।

बलिया-जदयू को बनाएगें देश की सबसे बडी पार्टी-राजेश सिंह-प्रदेश,महासचिव

जनता का सच-बलिया रिपोर्ट-राजेश 'महाजन' मण्डल-प्रभारी,आजमगढ़-मण्डल

बलिया-बिहार के मुख्य मंत्री नीतीश कुमार जी और पार्टी के सेनापति ललन सिंह से दिल्ली में नीतीश जी के आवास पर एक औपचारिक मुलाकात कर पार्टी के प्रदेश-महासचिव राजेश सिंह ने आगामी चुनावो व पार्टी के संगठनात्मक विस्तार पर चर्चा कर दिशा निर्देश प्राप्त किया महासचिव राजेश सिंह ने बताया कि हम नीतीश जी के नीतियो और आदर्शो पर चलकर कर प्रदेश को सुशासन एंव समृद्ध प्रदेश बनाएंगें,जदयू का जल्द ही एक बडा सम्मेलन बलिया में कराया जाएगा जिसके मुख्य अतिथि-माननीय नीतीश कुमार जी होगें और शीर्ष नेतृत्व को भरोसा दिलाया कि आगामी चुनाव में प्रदेश में पार्टी के निदेर्शानुसार परचम लहराने का काम करेंगे और जैसे बिहार की जनता भरोसा करके बिहार में गद्दी पर बैठने का काम किया है वैसे यू०पी०में भी बैठने का काम करेगी

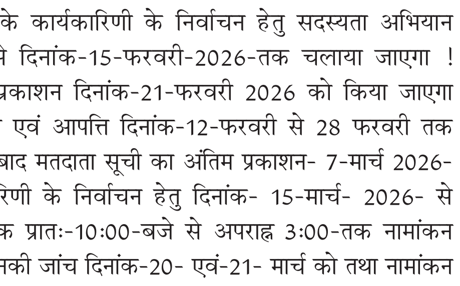

बलिया-देश का पहला पेंशनर्स पार्क होगा बलिया में

जनता का सच-बलिया रिपोर्ट-राजेश 'महाजन' मण्डल-प्रभारी,आजमगढ़-मण्डल

बलिया-जिला कोषागार परिसर में भारत के पहले पेंशनर्स पार्क का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है जिसका नामकरण आनन्द पार्क रखा गया है जिसे लेकर पेंशनर्स काफी उत्साहित है।पेंशनर्स और अधिकारी कर्मचारी पेंशनर्स संगठन के जिलाध्यक्ष बीएन पाण्डेय ने बताया यहां पेंशनर्स की हार्दिक इच्छा है कि इस आनन्द पार्क का लोकार्पण यशस्वी मुख्य मंत्री आदित्य नाथ योगी महराज के कर कमलों से ही शीघ्र कराया जाये इस सम्बन्ध में वरिष्ठ कोषाधिकारी आनन्द दूबे ने बताया कि यह पेंशनर्स पार्क प्रदेश का ही नहीं भारत का पहला पेंशनर्स पार्क का गौरव रखता है इस पार्क के निमार्ण का उद्देश्य अपने बड़े बुजूर्गो का सम्मान और राहत पहुंचाना है।आइये सुनते हैं वरिष्ठ कोषाधिकारी आनन्द दूबे ने जनपद वासियों को बीते साल की बिदाई आने वाले साल की बधाई और शुभकामनाएं दी

डॉ. शक्ति सिंह साधू (प्रधान सम्पादक), डॉ. प्रवीण (प्रबंध सम्पादक), एडवोकेट शैलेन्द्र श्रीवास्तव (कानूनी सलाहकार), राकेश अग्रवाल (जिला ब्यूरो उत्तर प्रदेश) अब्दुल नासिर स्टेट ब्यूरो उत्तर प्रदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक शक्ति सिंह द्वारा राज तरूण आफसेट, एल0जी0एफ0 5–14, अंसल सिटी सेंटर, हजरतगंज, लखनऊ– 226001 से मुद्रित तथा 486/238–डी, डालीगंज, निरालानगर, जनपद लखनऊ–226020 से प्रकाशित।
सम्पादक– शक्ति सिंह मो0 7052608007 नोटः समाचार पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।